उज्जैन
सोमवार
12
अक्टूबर, 2026
मूल्य- 2 रु.
वर्ष-12
अंक-339
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

3 भारत-वेस्टइंडीज टी-20 मैच के दौरान वीआईपी टिकटों की कालाबाजारी

7 अभिषेक शर्मा ने सबसे तेज 2000 टी-20 रन बनाए



लोकतंत्र में आवाज उठाने की आजादी होनी चाहिए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

दिल्ली में सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के बीच हुमा कुरैशी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे लोकतांत्रिक देश में नागरिक अधिकारों की बात करती दिख रही हैं। हुमा कुरैशी ने इस बात पर जोर दिया है कि लोगों को सवाल पूछने का अधिकार होना चाहिए। हुमा कुरैशी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें हुमा ने लिखा है, 'हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार और जवाबदेही की मांग करना बुनियादी लोकतांत्रिक अधिकार हैं, न कि सत्ता में बैठे लोगों की ओर से दी गई कोई मेहरबानी। शांतिपूर्ण असहमति जताना कोई अपराध नहीं है। सवाल पूछना कोई अपराध नहीं है। जवाबदेही की मांग करना कोई अपराध नहीं है। लोकतंत्र में नागरिकों को बिना किसी डर या उत्पीड़न के अपनी आवाज उठाने की आजादी होनी चाहिए। शांतिपूर्ण विरोध को दबाना उन मूल्यों को कमजोर करता है, जिन्हें बनाए रखने का हम दावा करते हैं। हुमा ने आगे लिखा है, 'मैं यह साफ करना चाहती हूं कि मैं किसी राजनीतिक पार्टी या व्यक्ति के साथ नहीं हूं। मैं उन नागरिकों के साथ हूं, जो जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

देश

- **सीईसी** के खिलाफ विपक्ष का आज सुप्रीम कोर्ट तक मार्च, 6 मेट्रो स्टेशन बंद, सीजेआई सूर्यकांत का राहुल-खड़गे से मिलने से इनकार
- **दिल्ली-एनसीआर** के कई इलाकों में बारिशः लखनऊ में बाढ़, कॉलोनियों में कमर तक पानी भरा, राजस्थान में ओले गिरे, हिमाचल-उत्तराखंड में बर्फबारी
- **2026** के इकोनॉमिक्स नोबेल का ऐलान आज, भारतीय मूल के अर्थशास्त्री राज चेट्टी का नाम भी चर्चा में, गरीबी से निकलने के मौके बताए
- **तेलंगाना** सीएम बोले- कांग्रेस राम और भाजपा रावण, रावण को हराने के लिए राम का साथ देना होगा, छोटे दलों को वोट देने से भाजपा को फायदा
- **दिल्ली में** नगर निगम ने 47 जर्जर बिल्डिंग गिराईं, 282 सील कीं, 5 दिन पहले इमारत गिरने से 5 की मौत हुई थी

विदेश

- **सऊदी** के एयरपोर्ट पर हमला, एक भारतीय की मौत, 12 घायल, हूती विद्रोहियों ने 5 दिन में 4 बार रियाद हवाईअड्डे को निशाना बनाया
- **इजराइल** में नेतनयाहू की कुर्सी पर संकट, 4 सर्वे में से 2 में विपक्ष आगे, किसी भी खेमे को बहुमत नहीं निकलने के मौके बताए
- **ट्रम्प** बोले- रूस और यूक्रेन में एनर्जी सीजफायर हुआः एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमला नहीं करेंगे, समझौता न तोड़ने की चेतावनी दी

व्यापार

- **देश में** पहली बार इलेक्ट्रिक व्हीकल से बिजली सप्लाई होगी केरलम में शुरूआर्त
- **5 आईपीओ** इस हफ्ते बाजार से 1,600 करोड़ जुटाएंगे, एचडी फायर और फ्यूजन सीएक्स जैसे बड़े इश्यू शामिल

कार्टून..



बुदनी में घरों को तोड़ने पर भड़के शिवराज सिंह चौहान

मुख्य सचिव को लगाई जमकर फटकार, बोले-दोषी अफसर बख्शे नहीं जाएंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ सीहोर/बुदनी

बुदनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोसमी में वन विभाग और स्थानीय प्रशासन द्वारा की गई बेदखली की कार्रवाई ने अब बड़ा सियासी और प्रशासनिक तूल पकड़ लिया है। गरीब परिवारों के आशियानों को जमींदोज करने और खड़ी फसलों को नष्ट किए जाने की सूचना मिलते ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान तत्काल कोसमी पहुंचे।

वहां का मंजर देखकर केंद्रीय मंत्री का पारा चढ़ गया। उन्होंने बेघर हुए ग्रामीणों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और साफ लहजे में चेतावनी दी कि गरीबों पर ज्यादती करने वाले अधिकारियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

मौके पर अधिकारियों की गैरमौजूदगी पर फूटा गुस्सा- घटनास्थल पर जब केंद्रीय मंत्री पहुंचे, तो वहां वन विभाग अथवा जिला प्रशासन का कोई भी वरिष्ठ जिम्मेदार अधिकारी मौजूद नहीं था। इस प्रशासनिक लापरवाही पर शिवराज सिंह चौहान भड़क उठे। उन्होंने मौके से ही मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन से फोन पर संपर्क साधा और पूरी घटना पर कड़ी नाराजगी जताई। केंद्रीय मंत्री ने मुख्य सचिव से दो टूक कहा कि भीषण गर्मी-बरसात के दौर में गरीबों के घरों को तोड़ना और उनकी फसलों को कुचलना अमानवीय कृत्य है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को भी पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और स्पष्ट किया कि वे इस मामले में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव से भी सीधी चर्चा कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे।



फसलें उजाड़ीं, पेयजल का कुआं भी मिट्टी से भरा

पीड़ित परिवारों ने केंद्रीय मंत्री को आपबीती सुनाते हुए बताया कि बुलडोजर कार्रवाई के दौरान उनके मक्के और तुअर की तैयार फसलों को पूरी तरह बर्बाद कर दिया गया। इतना ही नहीं, जिस कुएं का इस्तेमाल ग्रामीण सिंचाई और पीने के पानी के लिए करते थे, उसे भी प्रशासनिक अमले ने मिट्टी से पाट दिया। इस अमानवीयता पर केंद्रीय मंत्री ने गहरा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि आजीविका और जल स्रोतों को नष्ट करना घोर अक्षम्य अपराध है।

नए मकान बनेंगे, तब तक रहने-खाने की व्यवस्था

केंद्रीय मंत्री ने रोते-बिलखते ग्रामीणों को गले लगाकर आश्वस्त किया कि संकट की इस घड़ी में वे उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने ऐलान किया कि जिन परिवारों के आशियाने तोड़े गए हैं, उन सभी के लिए पक्के नए मकान बनवाए जाएंगे। जब तक नए घर तैयार नहीं हो जाते, तब तक सभी प्रभावित परिवारों के रहने और भोजन का पूरा अस्थायी प्रबंध कराया जाएगा। चौहान ने कहा, ₹गरीबों का आशियाना उजाड़ने वालों पर ऐसी कार्रवाई होगी जो नजीर बनेगी।

आदिवासी परिवारों को उजाड़ने पर जीतू पटवारी का सरकार से सवाल, बोले- मध्यप्रदेश बेलगाम हो गया है

शिवराज सिंह चौहान के बयान को बनाया आधार, पूछा- आदिवासी परिवारों को उजाड़ने वाले जिम्मेदार कौन? पीड़ितों के पुनर्वास, मुआवजे और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश में आदिवासी परिवारों को उजाड़े जाने के मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। पटवारी ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बयान का हवाला देते हुए कहा कि उनके शब्द इस बात के सबूत हैं कि मध्यप्रदेश में व्यवस्था बेलगाम हो गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से भी इस तरह की बात सामने आ रही है, तो आदिवासी परिवारों को उजाड़ने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है?

जिम्मेदार कौन, सरकार बताए- जीतू पटवारी ने अपने बयान में कहा कि केवल बयान देना पर्याप्त नहीं है। जनता के सामने यह स्पष्ट होना चाहिए कि आदिवासी परिवारों को उजाड़ने के लिए कौन जिम्मेदार है और संबंधित अधिकारियों या अन्य लोगों को किसका संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने इस कार्रवाई के पीछे के तंत्र और जिम्मेदार लोगों की पहचान सार्वजनिक करने की मांग की। पटवारी ने मामले को लेकर सरकार की जवाबदेही पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या भाजपा की आंतरिक राजनीति में इतनी खींचतान है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की बातों को भी नजरअंदाज किया जा रहा है? उन्होंने मौजूदा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार से इस पूरे मामले में स्पष्ट जवाब देने की मांग की।

पुनर्वास और मुआवजा प्राथमिकता हो- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस विवाद में सबसे महत्वपूर्ण सवाल राजनीतिक बयानबाजी का नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों के भविष्य का है। उन्होंने मांग की कि जिन आदिवासी परिवारों को उजाड़ा गया है, उन्हें उचित पुनर्वास और मुआवजा दिया जाए। साथ ही, जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पटवारी के मुताबिक, प्रभावित परिवारों को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि न्याय मिलने का भरोसा चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन लोगों की वजह से परिवारों को परेशानी उठानी पड़ी, उन्हें जवाबदेह बनाया जाए।

भाजपा सरकार की जवाबदेही पर सवाल- इस बयान के जरिए पटवारी ने आदिवासी परिवारों के मुद्दे को भाजपा की आंतरिक राजनीति और प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली से जोड़ते हुए निशाना साधा है। अब इस मामले में सरकार की प्रतिक्रिया, प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की स्थिति और कथित कार्रवाई के लिए जिम्मेदार लोगों को लेकर आधिकारिक जानकारी महत्वपूर्ण होगी।

लाड़ली बहनों को 3000 रुपये देने के वादे पर जीतू पटवारी का भाजपा पर हमला

बोले- शिवराज ने वादा किया, मोहन सरकार हर महीने 1500 रुपये दे रही, लाड़ली बहनों की नाराजगी को लेकर मुख्यमंत्री को चेताया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना के तहत दी जाने वाली आर्थिक सहायता को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को संबोधित करते हुए कहा कि यदि लाड़ली बहनें नाराज हो गईं तो इसके राजनीतिक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में महिलाओं को हर महीने 3000 रुपये देने के वादे का मुद्दा उठाते हुए वर्तमान सरकार से सवाल किए।

3000 रुपये के वादे पर कांग्रेस ने घेरा- जीतू पटवारी ने अपने बयान में कहा कि शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहनों को हर महीने 3000 रुपये देने का वादा किया था, लेकिन वर्तमान में महिलाओं को 1500 रुपये प्रतिमाह मिल रहे हैं। पटवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने महिलाओं से बड़े वादे किए, लेकिन उन्हें अपेक्षित आर्थिक सहायता नहीं मिली। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव पर तंज कसते हुए कहा कि शिवराज सिंह चौहान वादा कर-के आगे बढ़ गए, जबकि वर्तमान मुख्यमंत्री के कार्यकाल में भी महिलाओं को 3000 रुपये प्रतिमाह देने की मांग पूरी नहीं हुई है। पटवारी ने इसे भाजपा की बयानबाजी और वादों की राजनीति करार दिया।



पहले हक का पैसा लो, फिर सबक सिखाओ- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने लाड़ली बहनों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें सरकार के बयानों और वादों को समझना चाहिए तथा अपने अधिकारों को लेकर सवाल पूछने चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आर्थिक सहायता बढ़ाने की मांग उठानी चाहिए और राजनीतिक दलों को उनके वादों के आधार पर जवाबदेह बनाना चाहिए। पटवारी ने अपने बयान में भाजपा पर आरोप लगाया कि वह महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के मुद्दे पर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री को चेतावनी देते हुए कहा कि लाड़ली बहनों की नाराजगी सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है।

योजना की राशि और वादे पर सियासी बहस- लाड़ली बहना योजना मध्यप्रदेश की प्रमुख महिला-केंद्रित योजनाओं में शामिल है। इसके तहत मिलने वाली मासिक सहायता की राशि और इसे बढ़ाकर 3000 रुपये करने के वादे को लेकर राजनीतिक बहस जारी है। कांग्रेस इस मुद्दे पर सरकार को घेर रही है, जबकि योजना की वर्तमान राशि, उसे बढ़ाने संबंधी आधिकारिक घोषणाओं और लागू होने की समयसीमा के आधार पर सरकार का पक्ष भी महत्वपूर्ण है।

लाड़ली बहनों ने शिवराज सिंह चौहान के घर का घेराव किया रसोइयों के मानदेय पर जीतू पटवारी ने मोहन सरकार को घेरा

मध्यप्रदेश में आंगनवाड़ी केंद्रों से जुड़ी रसोइयों के मानदेय का मुद्दा उठाते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार पर निशाना साधा है। पटवारी ने दावा किया कि अपनी मांगों पर सुनवाई नहीं होने से नाराज लाड़ली बहनों ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के आवास का घेराव किया। उन्होंने सवाल उठाया कि महिलाओं और आंगनवाड़ी में काम करने वाली रसोइयों की समस्याओं का समाधान आखिर कब होगा?

घोषणाओं के बावजूद मानदेय पर सवाल- जीतू पटवारी ने अपने बयान में कहा कि शिवराज सिंह चौहान ने अपने कार्यकाल में कई घोषणाएं की थीं, लेकिन तीन साल बाद भी आंगनवाड़ी में काम करने वाली रसोइयों को महज 2000 रुपये प्रतिमाह मिलने का दावा सामने आ रहा है। पटवारी ने इसे महिलाओं के श्रम और उनकी आर्थिक जरूरतों से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताते हुए सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव को संबोधित करते हुए कहा कि जब महिलाओं की समस्याओं को लेकर सुनवाई नहीं हुई, तो उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री के आवास का घेराव करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पटवारी ने पूछा कि सरकार इन महिलाओं की मांगों पर कब ध्यान देगी और उनके मानदेय में बढ़ोतरी के लिए क्या कदम उठाएगी।



कर्ज, करप्शन और कमीशन को लेकर हमला- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि उसका ध्यान जनसमस्याओं के बजाय कर्ज, भ्रष्टाचार और कमीशन से जुड़े मामलों पर है। उन्होंने सवाल किया कि आंगनवाड़ी से जुड़ी रसोइयों की आर्थिक स्थिति सुधारने और उनकी मांगों का निराकरण करने के लिए सरकार कब ठोस पहल करेगी।

सुप्रीम कोर्ट मार्च से पहले कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लेने का आरोप

मोदी ही नहीं, मोहन सत्ता भी डर गई : पटवारी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश की मोहन यादव सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट मार्च में शामिल होने जा रहे कांग्रेस नेताओं को रोकने के लिए पुलिस का इस्तेमाल किया जा रहा है। पटवारी ने दावा किया कि दिल्ली रवाना होने से पहले मुरैना ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष मधुराज सिंह तोमर और भिंड शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र भदौरिया को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

पटवारी ने इस घटनाक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, मोदी ही नहीं, मोहन सत्ता भी डर गई! उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्यकताओं को दिल्ली में प्रस्तावित मार्च में शामिल होने से रोकने की कोशिश की जा रही है। उनके मुताबिक, यह कार्रवाई राजनीतिक विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर टकराव- जीतू पटवारी ने अपने बयान में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निशाने पर लेते हुए उनके खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार पर आरोप लगाया कि वह केंद्र की सत्ता के दबाव में काम कर रही है। पटवारी ने इस संदर्भ में ज्ञानेश कुमार के लिए देशद्रोही शब्द का इस्तेमाल भी किया। यह पटवारी की राजनीतिक टिप्पणी है, किसी स्थापित कानूनी निष्कर्ष का उल्लेख नहीं। कांग्रेस नेताओं को हिरासत में लिए जाने के पटवारी के दावे के बाद राजनीतिक हलकों में पुलिस की कार्रवाई, विरोध प्रदर्शन के अधिकार और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की आवाजाही को लेकर सवाल उठ सकते हैं।



सुप्रीम कोर्ट में अपील नहीं की तो 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री निवास के घेराव की चेतावनी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। अंबेडकरवादी और संविधानवादी विचारधारा से जुड़े दामोदर यादव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सीधे निशाने पर लेते हुए आरक्षण के मामले में जल्द कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री को तीन दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि यदि इस अवधि में सरकार हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट नहीं पहुंचती है, तो 16 अक्टूबर को मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा।

दामोदर यादव ने अपने बयान में मुख्यमंत्री की जातिगत पहचान, पिछड़ा वर्ग से संबंध और संवैधानिक पद का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें इन आधारों पर अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर सरकार की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने अपने संबोधन में आरक्षण की मांग को लेकर हुए आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले भी सरकार से कार्रवाई की मांग की गई थी, लेकिन आंदोलनकारियों को अपेक्षित परिणाम नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि आरक्षण की मांग उठाने वालों के आंदोलन को दबाने की कोशिश की गई। दामोदर यादव ने मुख्यमंत्री से मांग की कि सरकार हाईकोर्ट के फैसले के संबंध में कानूनी स्थिति स्पष्ट करे और ओबीसी आरक्षण के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट में अपील करने की दिशा में कदम उठाए।



सरकारी अस्पताल में मरीज की मां लगा रही पोंछा, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

दमोह के अस्पताल का बताया जा रहा दृश्य, मरीज की तीमारदार महिला को खुद करनी पड़ रही सफाई, स्टाफ की कमी से लेकर सरकारी व्यवस्था की जवाबदेही तक उठे सवाल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ दमोह

सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेहतर उपचार, साफ-सफाई और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे किए जाते हैं, लेकिन दमोह के एक सरकारी अस्पताल का बताया जा रहा दृश्य इन दावों पर सवाल खड़े कर रहा है। सामने आए दृश्य में एक महिला अस्पताल में पोंछा लगाती नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि महिला वहां भर्ती मरीज की मां है। यदि यह जानकारी सही है, तो यह केवल अस्पताल की सफाई व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि उस परिवार की बेबसी का भी सवाल है, जो अपने मरीज के उपचार के साथ अस्पताल की जिम्मेदारियां भी निभाने को मजबूर दिखाई दे रहा है।

मरीज की देखभाल करे या अस्पताल की सफाई- अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों की प्राथमिक जिम्मेदारी अपने प्रियजन की देखभाल करना होती है। मरीज को समय पर दवा मिले, चिकित्सकीय सलाह का पालन हो और उसकी स्थिति पर नजर रखी जा सके, इसके लिए परिजन पहले ही मानसिक तनाव से गुजरते हैं। ऐसे में यदि किसी मरीज की मां को अस्पताल में पोंछा लगाते हुए देखा जाता है, तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि अस्पताल की सफाई की जिम्मेदारी कौन निभा रहा है? क्या सफाई कर्मचारियों की कमी है? क्या निर्धारित कर्मचारी अपनी ड्यूटी नहीं कर रहे हैं? या फिर अस्पताल प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था में कोई खामी है? इन सवालों के जवाब संबंधित अस्पताल प्रशासन को देने चाहिए।



स्टाफ की कमी या व्यवस्था की लापरवाही?

सरकारी अस्पतालों में सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति, ड्यूटी निर्धारण और नियमित निगरानी जरूरी है। यदि पर्याप्त कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं, तो यह प्रशासनिक स्तर पर ध्यान देने योग्य विषय है। वहीं, यदि कर्मचारी तैनात होने के बावजूद सफाई का काम मरीजों के परिजनों को करना पड़ रहा है, तो जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि अस्पताल में सफाई कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या कितनी है, वास्तव में कितने कर्मचारी कार्यरत हैं और उनकी उपस्थिति व कामकाज की निगरानी किस स्तर पर की जाती है।

जिम्मेदार अधिकारी दें जवाब

दमोह के संबंधित सरकारी अस्पताल के प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग को स्पष्ट करना चाहिए कि संबंधित महिला को पोंछा क्यों लगाना पड़ा। क्या उस समय सफाई कर्मचारी ड्यूटी पर मौजूद थे? क्या अस्पताल में सफाई की व्यवस्था नियमित रूप से संचालित हो रही है? यदि कर्मचारियों की कमी है, तो उसे दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं? सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि अस्पताल में पोंछा कौन लगा रहा है। असली सवाल यह है कि जिस व्यवस्था की जिम्मेदारी सरकार और अस्पताल प्रशासन की है, उसे निभाने के लिए मरीज के परिजन क्यों मजबूर दिखाई दे रहे हैं? सरकारी अस्पताल में आने वाला व्यक्ति इलाज और राहत की उम्मीद लेकर पहुंचता है। उसकी मजबूरी को व्यवस्था का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। यदि यह दृश्य अस्पताल की वास्तविक स्थिति को दशार्ता है, तो इसकी जांच होनी चाहिए और कमियां मिलने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जानी चाहिए।

बजट खर्च हो रहा है तो जवाबदेही भी तय हो

सरकारी अस्पतालों के संचालन, रखरखाव और साफ-सफाई पर सार्वजनिक धन खर्च किया जाता है। ऐसे में अस्पताल परिसर की स्वच्छता केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि मरीजों को उपलब्ध कराई जाने वाली बुनियादी सुविधा है। यदि सफाई की जिम्मेदारी मरीजों के परिजनों पर आती दिखाई दे रही है, तो संबंधित अधिकारियों को व्यवस्था की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। हालांकि, केवल एक दृश्य के आधार पर भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी या धन के दुरुपयोग का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। लेकिन यह दृश्य ऐसे सवाल जरूर खड़े करता है, जिनकी जांच और जवाबदेही जरूरी है। सफाई व्यवस्था के लिए आवंटित बजट, संबंधित एजेंसी या कर्मचारियों की जिम्मेदारी और अस्पताल प्रबंधन की निगरानी की पड़ताल से ही वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है।

महाकाल श्रृंगार



भस्म रमाकर निराकार से साकार स्वरूप में भक्तों को दिए दर्शन

अपनेतक

शक्ति स्क्वॉड की असली ताकत महिलाओं के भरोसे में दिखेगी

नवरात्रि से पहले उज्जैन पुलिस ने शक्ति स्क्वॉड रैली निकालकर महिला सुरक्षा को लेकर अपनी सक्रियता का संदेश दिया है। पुलिस अधीक्षक द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई रैली शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। इसका उद्देश्य गरबा पंडालों, माता मंदिरों और भीड़भाड़ वाले बाजारों में महिलाओं एवं युवतियों को सुरक्षा का भरोसा दिलाना और मनचलों तथा असामाजिक तत्वों को चेतावनी देना है। पहल अच्छी है, लेकिन सवाल यह है कि इस संदेश का असर त्योहार के दौरान जमीन पर कितना दिखाई देगा?

उज्जैन धार्मिक नगरी है। नवरात्रि में यहां मंदिरों में दर्शन, गरबा आयोजनों और बाजारों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग निकलते हैं। शाम ढलने के बाद भी शहर के कई इलाकों में चहल-पहल बनी रहती है। ऐसे माहौल में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की नियमित जिम्मेदारी का महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाता है। भीड़ में पुलिस की मौजूदगी जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि पुलिस सतर्क हो, परिस्थितियों को समझे और किसी भी शिकायत पर बिना देरी कार्रवाई करे।

अक्सर किसी अभियान का प्रभाव उसके उद्घाटन, रैली या सार्वजनिक प्रदर्शन से आंका जाने लगता है, जबकि उसकी वास्तविक सफलता रोजमर्रा के काम में दिखाई देती है। शक्ति स्क्वॉड के मामले में भी यही कसौटी होनी चाहिए। क्या गरबा पंडालों के आसपास पुलिस की नियमित निगरानी रहेगी? क्या मंदिरों तक आने-जाने वाले मार्गों और बाजारों में महिलाओं को परेशान करने वालों पर तत्काल कार्रवाई होगी? क्या किसी युवती को असहज स्थिति का सामना करने पर आसानी से पुलिस सहायता मिल सकेगी? इन सवालों के जवाब ही इस पहल की उपयोगिता तय करेंगे।

महिला सुरक्षा का अर्थ केवल किसी घटना के बाद कार्रवाई करना नहीं है। इसका अर्थ ऐसा वातावरण तैयार करना भी है, जिसमें महिलाएं और युवतियां बिना किसी भय के घर से निकल सकें, धार्मिक आयोजनों में शामिल हो सकें और देर शाम अपने घर लौट सकें। इसके लिए पुलिस की सक्रियता के साथ शिकायतकर्ता के प्रति संवेदनशील व्यवहार, सहायता की सहज उपलब्धता और प्रभावी निगरानी भी जरूरी है। मनचलों के खिलाफ कार्रवाई का संदेश तभी प्रभावी होगा, जब नियमों का उल्लंघन करने वालों को यह भरोसा न रहे कि भीड़ का फायदा उठाकर वे बच निकलेंगे। यह भी ध्यान रखना होगा कि महिला सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक जवाबदेही का विषय भी है। परिवार, आयोजन समितियां, बाजार संचालक और आम नागरिक भी सुरक्षित वातावरण बनाने में भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, कानून व्यवस्था बनाए रखने और शिकायत मिलने पर कार्रवाई करने की प्राथमिक जिम्मेदारी पुलिस की ही है। उज्जैन पुलिस की शक्ति स्क्वॉड रैली को इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता और प्रतिबद्धता का संकेत है, लेकिन इसे परिणामों में बदलना जरूरी है। त्योहार समाप्त होने के बाद यह भी देखा जाना चाहिए कि अभियान के दौरान पुलिस की तैनाती कितनी प्रभावी रही, शिकायतों पर किस तरह कार्रवाई हुई और महिलाओं को सुरक्षा का कितना भरोसा मिला।

आखिरकार, शक्ति स्क्वॉड की ताकत उसकी वर्दी, वाहनों या रैली के आकार से नहीं, बल्कि महिलाओं के उस विश्वास से तय होगी कि मुसीबत के समय पुलिस उनके साथ खड़ी मिलेगी। रैली से संदेश दिया जा सकता है, लेकिन भरोसा लगातार काम करने से बनता है। नवरात्रि में उज्जैन पुलिस के सामने असली चुनौती यही है कि महिला सुरक्षा का यह संदेश सड़कों, बाजारों और आयोजन स्थलों पर हकीकत बनकर दिखाई दे।

अमावस्या संपन्न होते ही त्रिवेणी घाट पर रातभर चला सफाई अभियान, छोड़े गए कपड़ों से बनेंगे फाइल कवर

90 से अधिक सफाई मित्रों ने संभाला मोर्चा, उपयोगी सामग्री जरूरतमंदों को मिलेगी; खराब जूतों से तैयार होगा आरडीएफ ईंधन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शनिश्चरी अमावस्या और सर्वपितृ अमावस्या के अवसर पर श्रद्धालुओं की आवाजाही के बाद नगर निगम ने त्रिवेणी घाट, शनि मंदिर परिसर और शिप्रा नदी के घाटों पर विशेष रात्रिकालीन स्वच्छता अभियान चलाया। निगमायुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर 90 से अधिक सफाई मित्रों ने रात से लेकर रविवार सुबह तक लगातार सफाई कार्य किया। अभियान के तहत घाटों पर जमा गंदगी और श्रद्धालुओं द्वारा मन्नत के रूप में छोड़े गए कपड़ों तथा जूते-चप्पलों को एकत्रित कर हटाया गया। नगर निगम ने इस कार्य को केवल सफाई तक सीमित रखने के बजाय एकत्रित सामग्री के पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण से जोड़ने की योजना भी बनाई है।

शनिश्चरी और सर्वपितृ अमावस्या पर त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर और शिप्रा घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। धार्मिक परंपराओं के तहत कई श्रद्धालु यहां कपड़े, जूते-चप्पल और अन्य वस्तुएं छोड़ जाते हैं। पर्व संपन्न होने के बाद घाटों पर इन वस्तुओं के जमा होने से सफाई व्यवस्था बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसी को देखते हुए नगर निगम ने विशेष अभियान चलाकर घाटों की



सफाई कराई, ताकि धार्मिक स्थल स्वच्छ रहें और श्रद्धालुओं को भी साफ-सुथरा वातावरण मिल सके।

निगमायुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश पर 90 से अधिक सफाई मित्रों ने अभियान में भाग लिया। रात से शुरू हुआ सफाई कार्य रविवार सुबह तक जारी रहा। सफाई कर्मचारियों ने घाटों और मंदिर परिसर में फैली सामग्री को एकत्रित किया। इसके लिए जेसीबी और डंपरों की मदद ली गई। एकत्रित कपड़ों तथा जूते-चप्पलों को ट्रांसफर स्टेशन पहुंचाया गया, जहां से उनकी उपयोगिता के आधार पर आगे की प्रक्रिया की जानी है। पर्व के बाद कम समय में घाटों की सफाई करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन स्थानों पर नियमित रूप से श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में सफाई में देरी होने पर धार्मिक स्थल की स्वच्छता और व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। रात्रिकालीन अभियान के माध्यम से नगर निगम ने पर्व के बाद सफाई व्यवस्था को प्राथमिकता दी।

3आर मॉडल से होगा सामग्री का उपयोग

नगर निगम ने एकत्रित सामग्री के निस्तारण के लिए 3 आर मॉडल अपनाने की योजना बनाई है। इसका अर्थ है रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकिल। इस मॉडल के तहत ऐसी सामग्री, जिसका दोबारा उपयोग संभव है, उसे उपयोग में लाने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, अनुपयोगी वस्तुओं को उचित प्रक्रिया के माध्यम से उपयोगी संसाधन में बदलने की योजना है। अभियान के तहत एकत्रित कपड़ों और जूते-चप्पलों को अलग-अलग छांटकर उनकी स्थिति के अनुसार उपयोग करने की बात कही गई है। उपयोग योग्य सामग्री जरूरतमंदों को वितरित की जाएगी। अनुपयोगी कपड़ों से फाइल कवर तैयार किए जाएंगे, जबकि खराब जूतों से आरडीएफ (रिफ्यूज डिराइव्ड फ्यूल) ईंधन बनाने की योजना है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य कचरे की मात्रा कम करना और ऐसी वस्तुओं से उपयोगी संसाधन तैयार करना है, जिन्हें अन्यथा अनुपयोगी मानकर फेंक दिया जाता।

स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण पर जोर

धार्मिक आयोजनों के बाद बड़ी मात्रा में एकत्रित होने वाली सामग्री का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करना शहरी स्वच्छता व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि कपड़ों और जूते-चप्पलों को बिना छंटाई के सामान्य कचरे में डाल दिया जाए, तो उपयोगी सामग्री भी बेकार हो सकती है। इसके विपरीत, उनकी गुणवत्ता और स्थिति के अनुसार अलग-अलग छंटाई करने से पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण की संभावनाएं बढ़ती हैं। नगर निगम की प्रस्तावित व्यवस्था इसी दिशा में एक प्रयास है। उपयोग योग्य वस्तुओं को जरूरतमंदों तक पहुंचाने और अनुपयोगी सामग्री से अन्य उत्पाद या ईंधन तैयार करने से कचरे के बेहतर प्रबंधन में मदद मिल सकती है। हालांकि, इसके लिए सामग्री की उचित छंटाई, स्वच्छता संबंधी सावधानियां और निर्धारित पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप प्रसंस्करण आवश्यक होगा। उज्जैन में धार्मिक पर्वों और स्नान पर्वों के दौरान घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही होती है। ऐसे आयोजनों में सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निगम को अतिरिक्त संसाधन और कर्मचारियों की तैनाती करनी पड़ती है। पर्व संपन्न होने के बाद त्वरित सफाई से घाटों को व्यवस्थित रखने में मदद मिलती है।

शनिचरी सर्वपितृ अमावस्या पर बाबा महाकाल को लगा 601 लीटर केसरिया खीर का महाभोग

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

शनिचरी सर्वपितृ अमावस्या के अवसर पर नित्य दर्शन श्री महाकाल परिवार द्वारा भगवान महाकालेश्वर को 601 लीटर दूध से निर्मित केसरिया खीर का महाभोग लगाया गया। संध्या आरती के दर्शन कर मंदिर परिसर से बाहर निकले हजारों श्रद्धालुओं को यह प्रसाद वितरित किया गया। वरिष्ठ अभिभाषक मनीष मानाना ने बताया कि संस्था पिछले 12 वर्षों से लगातार बिना किसी रुकावट के सर्वपितृ अमावस्या पर यह जन-कल्याण और सेवा का प्रकल्प चला रही है। संस्था के वरिष्ठ सदस्य गोपाल शर्मा के नेतृत्व में संध्या आरती के समय गर्भगृह के मुख्य पुजारी के माध्यम से यह भोग अर्पित करवाया गया। आरती संपन्न होते ही मंदिर परिसर के समीप जय श्री महाकाल और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ प्रसाद वितरण का महाअभियान शुरू कर दिया गया।

सेवादारों ने निभाई भूमिका

इस विशाल आयोजन की व्यवस्थाओं में विजय भावसार, महेंद्र कटियार, ओमप्रकाश राठौर, नीलेश शर्मा, आशीष यादव, राजेंद्र कुमार शर्मा, सुभाष व्यास, शैलेश दुबे, जीवन सिंह पटेल, संतोष राव जाधव, अनिल राठौड़, सुशील आडवाणी, नरेंद्र चौरसिया, नरेंद्र दुबे, वीरेंद्र परमार, वीरेंद्र सिंह परिहार, शैलेश मानाना, लेखराज पांडव, अभिषेक शर्मा, कमलेश भूपकिया, विपिन गोधा, विनोद त्रिवेदी, दीपक खन्ना, डॉ. राजेंद्र कुमार तिवारी और अजय पांडे (भोला गुरु) सहित संस्था के अनगिनत कार्यकर्ताओं ने देर रात तक कतारबद्ध तरीके से खड़े रहकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

महाकाल मंदिर से टॉवर चौक तक जनजागरण

नुक्कड़ नाटकों से दिया नशामुक्ति का संदेश, रेडक्रॉस के अभियान में नागरिकों ने लिया संकल्प

सरस्वती महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों के जरिए नशे के दुष्परिणाम बताए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के प्रति लोगों को जागरूक करने और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश देने के उद्देश्य से भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा उज्जैन ने अपने सेवा संकल्प अभियान के तहत शहर में नशामुक्ति जनजागरण अभियान चलाया। इसके अंतर्गत शहर के प्रमुख धार्मिक, सार्वजनिक और व्यस्त स्थलों पर नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। सरस्वती महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुतियों के माध्यम से आमजन को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

अभियान के तहत महाकाल मंदिर, कालभैरव प्रांगण, रेलवे स्टेशन, नानाखेड़ा बस स्टैंड और टॉवर चौक जैसे प्रमुख स्थानों पर जनजागरण गतिविधियां आयोजित की गईं। इन स्थानों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, यात्रियों और स्थानीय नागरिकों की आवाजाही रहती है। ऐसे में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों तक नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने का प्रयास किया गया। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से युवाओं को नशे की आदत से दूर रहने, अपने स्वास्थ्य के प्रति



सजग रहने और जीवन में सकारात्मक विकल्प अपनाने की प्रेरणा दी गई। प्रस्तुतियों के जरिए यह संदेश दिया गया कि नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके पारिवारिक और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित कर सकती है। कलाकारों ने संवाद और अभिनय के माध्यम से लोगों का ध्यान इस सामाजिक समस्या की ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम के दौरान आमजन से बातचीत कर नशे से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया गया।

नागरिकों ने नशामुक्त समाज बनाने का लिया संकल्प

जनजागरण अभियान के दौरान उपस्थित नागरिकों ने नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प व्यक्त किया। अभियान का उद्देश्य केवल लोगों को नशे के नुकसान बताना नहीं, बल्कि उन्हें व्यक्तिगत और सामाजिक स्तर पर जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करना भी रहा। नशे की समस्या से निपटने के लिए जागरूकता के साथ परिवार, शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए उन्हें सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना और जरूरत पड़ने पर उचित सहायता उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा उज्जैन ने जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से इस अभियान को आगे भी निरंतर जारी रखने की बात कही है। शहर के अलग-अलग सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। रेडक्रॉस सोसायटी की इस पहल में विद्यार्थियों की भागीदारी ने सामाजिक जागरूकता के लिए युवाओं की भूमिका को भी सामने रखा।

ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदेश के मल्लखंब खिलाड़ी करेंगे प्रतिनिधित्व



अहमदाबाद में आज होगा पारंपरिक खेलों का प्रदर्शन खिलाड़ियों ने शुरू किया अभ्यास

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से जुड़े मध्यप्रदेश के मल्लखंब खिलाड़ी अहमदाबाद में आयोजित होने वाले ब्रिक्स पारंपरिक एवं स्वदेशी खेल प्रदर्शन कार्यक्रम 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश की ओर से सहभागिता कर रहे ये खिलाड़ी 12 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय मल्लखंब की समृद्ध परंपरा अद्वितीय शारीरिक कौशल और सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत करेंगे।

कार्यक्रम के लिए खिलाड़ी 10 अक्टूबर को अहमदाबाद पहुंच गए हैं और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए नियमित अभ्यास में जुट गए हैं। इससे पूर्व उज्जैन स्थित लोकमान्य तिलक सांस्कृतिक न्यास में 1 से 5 अक्टूबर तक विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था। इस शिविर में द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित प्रशिक्षक योगेश मालवीय के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक सामूहिक समन्वय और क्षमता को निखारा। लोकमान्य तिलक सांस्कृतिक न्यास लंबे समय से मल्लखंब के प्रशिक्षण और संवर्धन में योगदान दे रहा है। मल्लखंब शक्ति संतुलन लचीलापन एकाग्रता और साहस का अद्भुत समन्वय है।

अग्रसेन जयंती पर जयकारों से गूंजा उज्जैन, निकली प्रभातफेरी

अग्रवाल विकास समिति के आयोजन में उमड़ा समाज जगह-जगह पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

अहिंसा और समाजवाद के प्रवर्तक श्री श्री 1008 महाराजा अग्रसेन की जयंती पर रविवार को शहर में भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। उज्जैन अग्रवाल विकास समिति द्वारा आयोजित यह प्रभात फेरी शहीद पार्क से शुरू होकर फ्रीगंज के विभिन्न मार्गों से होती हुई ऐरन हॉस्पिटल पर संपन्न हुई। इस दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया और समापन पर लकी ड्रॉ के माध्यम से विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

समिति अध्यक्ष सुनील बी अग्रवाल के मार्गदर्शन में निकली इस प्रभात फेरी में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



शुरूआत शहीद पार्क पर महाराजा अग्रसेन और कुलदेवी महालक्ष्मी के पूजन से हुई। यहां से यात्रा टावर चौक और इंदिरा गांधी प्रतिमा होते हुए फ्रीगंज के मार्गों से गुजरी। समापन स्थल भगवान दास ऐरन के ऐरन हॉस्पिटल पर सभी ने महाराजा अग्रसेन और कुल देवी मां लक्ष्मी की आरती की। उल्लेखनीय है कि 11 अक्टूबर को पूरे भारतवर्ष में अग्रसेन जयंती मनाई गई। शहर में भी अग्रवाल समाज द्वारा 10 दिवसीय जयंती महोत्सव के तहत कई धार्मिक और सामाजिक आयोजन किए जा रहे हैं।

प्रभात फेरी के शुभारंभ अवसर पर सिंहस्थ मेला प्राधिकरण अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, श्याम बंसल, अग्रवाल पंचायत न्यास अध्यक्ष निमेश अग्रवाल, अग्रवाल विकास समिति अध्यक्ष सुनील बी अग्रवाल, सचिव पंकज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कृतेश हरभजनका, संयोजक अभिषेक बंसल, दिलीप गर्ग, राकेश बिंदल, वैभव बंसल, शिव अग्रवाल, योगेश बजाज और राजेश गुप्ता ने पूजन किया।

25 कलाकारों ने सीखी माच विधा, मंच पर उतारे सत्यवादी राजा हरिशचंद्र और राजयोगी भरथरी

उज्जैन। संस्कृति संचालनालय भोपाल के सहयोग से मालव लोक कला केंद्र द्वारा आयोजित चार दिवसीय लोक नाट्य माच शिविर के आखिरी दिन 25 प्रशिक्षणार्थियों ने सीखी गई कला का प्रदर्शन किया। सचिव कृष्णा वर्मा ने बताया कि इन कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। शिविर में माच के वरिष्ठ कलाकार बाबूलाल देवड़ा ने कलाकारों को लोक नाट्य का निशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को माच गुरु सिद्धेश्वर सेन द्वारा रचित सत्यवादी राजा हरिशचंद्र और माच गुरु बालमुकुंद द्वारा रचित राजयोगी भरथरी का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के अंतिम दिन सभी प्रशिक्षणार्थियों ने मिलकर इन दोनों रचित माच की प्रस्तुतियां दीं।

महिदपुर में अघोषित बिजली कटौती से किसानों का आक्रोश, एमपीईबी कार्यालय का किया घेराव

जिला पंचायत सदस्य श्याम सिंह चौहान के नेतृत्व में सैकड़ों किसान और ग्रामीण पहुंचे बिजली दफ्तर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ महिदपुर

विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से परेशान किसानों और ग्रामीणों का आक्रोश अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है। बिजली आपूर्ति की समस्या से नाराज सैकड़ों किसानों और ग्रामीणों ने जिला पंचायत सदस्य श्याम सिंह चौहान के नेतृत्व में विद्युत विभाग के एमपीईबी डीई कार्यालय का घेराव कर विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बिजली कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए अघोषित कटौती पर तत्काल रोक लगाने और नियमित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की।

प्रदर्शन में शामिल किसानों और ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में बिना पूर्व सूचना के बिजली बंद होने से खेती-किसानी से जुड़े कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बिजली आपूर्ति में अनियमितता के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है



कि बिजली कटौती का असर केवल कृषि कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे आम जनजीवन भी प्रभावित हो रहा है। ऐसे में विद्युत विभाग को समस्या का स्थायी समाधान निकालना चाहिए। किसानों के लिए बिजली आपूर्ति कृषि कार्यों का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में जब बिजली बार-बार बंद होती है या निर्धारित समय पर उपलब्ध नहीं होती, तो खेतों में जरूरी काम प्रभावित होने की आशंका रहती है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार बनी हुई इस स्थिति के कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि बिजली कंपनी को आपूर्ति व्यवस्था में सुधार करते हुए किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनना चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने सवाल उठाया कि यदि बिजली कटौती किसी तकनीकी खराबी, रखरखाव या अन्य कारण से की जा रही है, तो इसकी जानकारी उपभोक्ताओं को समय पर दी जानी चाहिए। बिना पूर्व सूचना के बिजली बंद होने से किसानों और ग्रामीणों को अपने कामकाज की योजना बनाने में भी परेशानी होती है।

महाकाल दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने शनिदेव को अर्पित किया तेल, नुक्ती का लगा भोग

हरसिद्धि चौराहा स्थित प्राचीन शनि मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

उज्जैन। धर्मनगरी के हरसिद्धि चौराहे पर स्थित अति प्राचीन न्यायाधीश सूर्यपुत्र शनिदेव मंदिर में शनिश्चरी अमावस्या का पर्व हर्षोल्लास और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में हजारों श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। भक्तों ने भगवान शनिदेव को तेल अर्पित कर सुख-समृद्धि और शांति की मंगलकामना की। इस अवसर पर बाबा को सवा कुंटल नुक्ती का भोग लगाया गया और ढोल-नगाड़ों, जयकारों व वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य महाआरती संपन्न हुई।

महाकाल दर्शन के बाद पहुंचे श्रद्धालु

मान्यता है कि भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के बाद हरसिद्धि चौराहे स्थित इस प्राचीन शनिदेव मंदिर में दर्शन करने से विशेष आध्यात्मिक संतोष और आशीर्वाद मिलता है। इसी आस्था के चलते बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकाल दर्शन के बाद बाबा शनिदेव के दरबार में शीश नवाने पहुंचे। महाआरती के समय ढोल-नगाड़ों की थाप और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

साढ़ेसाती और ढैया के लिए की विशेष आराधना

भगवान शनिदेव को न्याय का देवता माना जाता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार साढ़ेसाती और ढैया के समय शनिदेव की आराधना, तेल अर्पण और सेवा को धैर्य व सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। भक्तों का विश्वास है कि शनिदेव की कृपा से जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की शक्ति मिलती है और सुख-शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। यह प्राचीन मंदिर लंबे समय से श्रद्धालुओं की अटूट श्रद्धा का केंद्र है। मुख्य पुजारी ज्योतिष आचार्य पं. कैलाशचंद जोशी के मार्गदर्शन में यह धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। आयोजन को सफल बनाने में दिनेश जोशी, कृष्णकांत जोशी, राज जोशी और निहाल जोशी सहित मंदिर के समस्त पुजारियों, दानदाताओं और भक्तों का विशेष सहयोग रहा।

उज्जैन
सोमवार
12
अक्टूबर, 2026

दैनिक
ब्रह्मास्त्र

अनालस्यं ब्रह्मचर्यं शीलं गुरुजनादरः।
स्वावलम्बः दृढाभ्यासः षडेते छात्र सद्गुणाः।।

अर्थः उदासीनता, ब्रह्मचर्य, विनय, शिक्षकों के प्रति सम्मान, आत्मनिर्भरता और दृढ़ अभ्यास ङ्क ये एक छात्र के छह गुण हैं।

खबर एक नजर...

धार के छात्र ने लगाई फांसी, 5 साल से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था

इंदौर। शनिवार और रविवार को आत्महत्या के दो मामले सामने आए हैं। पहले मामले में भंवरकुआं थाना क्षेत्र में रेलवे भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहे 20 वर्षीय छात्र ने आत्महत्या कर ली। छात्र पिछले 5 साल से इंदौर में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। वहीं, एमआईजी थाना क्षेत्र में 38 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। दोनों मामलों में पुलिस जांच कर रही है। भंवरकुआं थाना पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान धार जिले के रहने वाले अरविंद (20) पुत्र प्रताप अजनारे के रूप में हुई है। उसके बड़े भाई रविंद्र अजनारे ने बताया कि रविवार सुबह पुलिस ने फोन कर अरविंद के फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना दी। रविंद्र के मुताबिक, अरविंद पिछले 5 साल से इंदौर में किराए का कमरा लेकर रेलवे भर्ती परीक्षा की तैयारी कर रहा था। उसके पिता शिक्षक हैं। परिवार में माता-पिता, बड़ा भाई रविंद्र और एक छोटी बहन हैं। रविंद्र निजी कंपनी में काम करता है। पुलिस की शुरूआती जांच में लगातार पढ़ाई और मेहनत के बावजूद सफलता नहीं मिलने और करियर को लेकर तनाव की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

एमआईजी क्षेत्र में भी युवक ने फांसी लगाकर जान दी

इंदौर। एमआईजी थाना क्षेत्र के छोटी खजरानी में रहने वाले सतीश (38) पुत्र कृष्णा राव ने शनिवार शाम अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके पिता उन्हें एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। एमआईजी पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। सतीश की आत्महत्या के पीछे की वजह फिलहाल सामने नहीं आई है।

तलाकशुदा महिला से दुष्कर्म, शादी का कहा तो बातचीत कर दी बंद

इंदौर। मेट्रिमोनियल साइट पर पहचान के बाद एक महिला ने युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। महिला का आरोप है कि शादी के लिए दबाव बनाने पर आरोपी ने इनकार कर दिया और उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी 2009 में हुई थी। उसका एक बेटा है। पति से मतभेद के कारण वह 2020 से अलग रह रही है। जून 2026 में उसने शादी डॉट कॉम पर अकाउंट बनाया था। इसी दौरान उसकी पहचान सिलिकॉन सिटी निवासी उन्नत अस्तोलिया से हुई। दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होने लगी। उन्नत ने महिला से शादी करने की बात कही। उसने बताया कि वह पहले से शादीशुदा है और कोर्ट में तलाक का केस चल रहा है। उसने कहा कि मामला निपटने के बाद वह महिला से शादी कर लेगा। पीड़िता के मुताबिक, 17 जुलाई 2026 की शाम उसका बेटा शॉपिंग के लिए बाहर गया था।

अयोध्यापुरी जमीन विवाद में रहवासी संघ को झटका

इंदौर। अयोध्यापुरी कॉलोनी की करीब चार एकड़ बेशकीमती जमीन के स्वामित्व को लेकर चल रहे विवाद में जिला कोर्ट ने सिम्पलेक्स इन्वेस्टमेंट एंड मेगा फाइनेंस कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाया है। जिला न्यायाधीश डॉ. शुभ्रा सिंह ने 65 पेज के फैसले में देवी अहिल्या श्रमिक कामगार सहकारी संस्था द्वारा कंपनी के पक्ष में की गई रजिस्ट्री को वैध माना और अयोध्यापुरी रहवासी कल्याण संघ के दावों को खारिज कर दिया। इस जमीन की मौजूदा कीमत करीब 350 करोड़ रुपए बताई जा रही है। विवादित जमीन को लेकर पूर्व कलेक्टर मनीष सिंह के कार्यकाल में प्रशासन ने कार्रवाई की पहल की थी। सहकारिता विभाग के माध्यम से रजिस्ट्री निरस्त कराने के लिए कोर्ट में आवेदन भी दिया गया था। हालांकि, सुनवाई के दौरान जिला प्रशासन और सहकारिता विभाग की ओर से प्रभावी पक्ष नहीं रखे जाने का मामला सामने आया। अब फैसले के बाद रहवासी संघ ने हाईकोर्ट में अपील करने की बात कही है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने भी कहा है कि आदेश की प्रति मिलने और उसका अध्ययन करने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

निजी अस्पताल में डिलीवरी के बाद महिला की मौत

इंदौर। एक निजी अस्पताल में डिलीवरी के बाद तबीयत बिगड़ने से 20 वर्षीय नैना वंशकार की मौत हो गई। परिजनों ने ऑरेंज अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान लापरवाही का आरोप लगाया है। शिकायत के बाद रावजी बाजार पुलिस ने रविवार को महिला का पोस्टमार्टम कराया और मामले की जांच शुरू की। बाणगंगा पुलिस नैना (20), पति आजाद वंशकार, निवासी जबरन कॉलोनी के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची थी। पति आजाद ने बताया कि 8 सितंबर को नैना की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। वे उसे प्रकाश चंद्र सेठी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां डॉक्टर नहीं मिले। इसके बाद वे एमटीएच अस्पताल गए। वहां भी ठीक से उपचार नहीं मिलने के चलते नैना को राजमोहल्ला स्थित ऑरेंज अस्पताल में भर्ती कराया। आजाद के मुताबिक, ऑरेंज अस्पताल में डिलीवरी के दौरान नैना ने बेटे को जन्म दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताई और अगले दिन उसे अरविंदो अस्पताल भेज दिया।

---

4 और 6 हजार में बेची टिकट, पुलिस की मौजूदगी में चलता रहा खेल, एमपीसीए पर उठे सवाल

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 मैच के दौरान वीआईपी टिकटों की कालाबाजारी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर के होलकर स्टेडियम में रविवार को भारत-वेस्टइंडीज टी-20 मुकाबले के दौरान टिकटों की कथित कालाबाजारी का मामला सामने आया। स्टेडियम के बाहर बीसीसीआई के मोस्ट एक्सपेंसिव पवेलियन के टिकट 3 हजार से 6 हजार रुपए तक में बेचते युवक नजर आए। इस श्रेणी के टिकट की कीमत 12,500 रुपए बताई गई। टिकट बेचने वालों ने वीआईपी एंट्री और लंच सहित विशेष सुविधाएं मिलने का दावा किया।

एक मामले में टिकट खरीदने के बाद युवक के स्टेडियम के अंदर पहुंचने की बात भी सामने आई। इस घटनाक्रम ने टिकट वितरण व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े किए हैं। सवाल यह है कि यदि ये टिकट विशेष अतिथियों के लिए आवंटित थे और आम बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं थे, तो वे खुले बाजार में कैसे पहुंचे?



6 हजार रुपए में टिकट, खरीदने के बाद स्टेडियम पहुंचा युवक

होलकर स्टेडियम के बाहर जंजीरवाला चौराहे पर एक अन्य युवक बीसीसीआई के मोस्ट एक्सपेंसिव पवेलियन का टिकट 6 हजार रुपए में बेच रहा था। टिकट देखने पर वह सही नजर आया। इसके बाद दो टिकट खरीदे गए और खरीदार मैच देखने के लिए स्टेडियम के अंदर गया। इस पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड किया गया। यह घटनाक्रम टिकटों के आवंटन और उनके वास्तविक उपयोग की जांच की जरूरत को रेखांकित करता है। हालांकि, टिकट की प्रामाणिकता और उसके आवंटन का रिकॉर्ड संबंधित अधिकारियों की जांच से ही स्पष्ट होगा। इसी इलाके में एक और युवक 3 हजार रुपए में टिकट दिलाने का दावा कर रहा था। उसने रिपोर्टर से कहा कि टिकट सामने की बिल्डिंग में मिलेगी और वह उसे वहां तक ले जा सकता है।

12,500 का टिकट, ब्लैक में तीन अलग-अलग कीमतें- मोस्ट एक्सपेंसिव पवेलियन मैच की सबसे महंगी टिकट श्रेणी में शामिल है। इसमें वीआईपी एंट्री के साथ लंच और विशेष हॉस्पिटैलिटी सुविधाएं मिलने की बात कही गई। जंजीरवाला चौराहे के पास सपना सैंडविच के बाहर एक युवक ने यह टिकट 4 हजार रुपए में देने की बात कही। दूसरे युवक ने 6 हजार रुपए मांगे, जबकि तीसरा युवक 3 हजार रुपए में टिकट दिलाने का दावा कर रहा था।

4 हजार रुपए में टिकट, वीआईपी एंट्री और लंच का दावा- जंजीरवाला चौराहे पर सपना सैंडविच के बाहर टिकट खरीदने के लिए एक युवक से बातचीत की। युवक ने बीसीसीआई के वीआईपी पवेलियन का टिकट 4 हजार रुपए में देने की बात कही। उसने दावा किया कि टिकट पर पूरी वीआईपी एंट्री मिलेगी और लंच भी शामिल है। युवक के मुताबिक, यह टिकट आम बिक्री के लिए नहीं, बल्कि बीसीसीआई की ओर से वीआईपी लोगों के लिए बनाई गई है।

50 मीटर दूर बैरिकेडिंग, आसपास पुलिसकर्मी, फिर भी बिक्री कैसे- टिकटों की कथित कालाबाजारी वाली जगह से करीब 50 मीटर दूर पुलिस ने वाहनों का प्रवेश रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। जिस जगह युवक टिकट बेचते नजर आए, वहां भी पुलिसकर्मी मौजूद थे। इसके बावजूद मौके पर करीब 15 से 20 युवकों के टिकट बेचने में सक्रिय होने की बात सामने आई। टिकट खरीदने के इच्छुक लोग भी वहां जुटते रहे। इससे पुलिस की निगरानी और अवैध बिक्री रोकने के इंतजामों पर सवाल उठते हैं। क्या पुलिस को इस गतिविधि की जानकारी थी? यदि जानकारी थी, तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और यदि जानकारी नहीं थी, तो सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह कारोबार कैसे चलता रहा? इन सवालों पर संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आना बाकी है। होलकर स्टेडियम की दर्शक क्षमता करीब 26,500 बताई गई है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, इनमें से करीब 16 हजार टिकट ऑनलाइन बेची गईं। ऐसे में शेष टिकटों की संख्या, उनके आवंटन और वितरण की स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है। इन टिकटों में से कितने विशेष अतिथियों, प्रायोजकों या अन्य श्रेणियों के लिए रखे गए थे, इसका आधिकारिक ब्योरा सामने आना बाकी है।

इंदौर के दशहरा मैदान में रावण के दसों मुख तैयार

अब बनेगी 250 फीट ऊंची लंका 111 फीट के रावण का होगा दहन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

दशहरा पर्व को लेकर दशहरा मैदान पर तैयारियां तेज हो गई हैं। दशहरा महोत्सव समिति रावण दहन की तैयारी में जुटी है। रावण के दसों मुख बनाने का काम पूरा हो चुका है। अब उसका धड़ और 250 फीट ऊंची लंका तैयार की जाएगी। समिति के अनुसार, 20 अक्टूबर को शाम 7 बजे रावण और लंका का दहन किया जाएगा।

दशहरा मैदान दशहरा महोत्सव समिति के संयोजक सत्यनारायण सलवाडिया और पिंटू जोशी ने बताया कि कलाकार लगातार निर्माण कार्य में जुटे हैं। रावण और लंका बनाने में मनोज तोमर, अतुल हर्निया, राजेश छैबला, गणेश विजयराय, प्रवीण हड़गांवकर, राकेश वर्मा और विनय हड़गांवकर सहित अन्य कलाकार योगदान दे रहे हैं।



आयोजन की तैयारियों में जुटे पदाधिकारी

दशहरा महोत्सव को भव्य रूप देने के लिए समिति के पदाधिकारी व्यवस्थाओं में जुटे हैं। इनमें सुरेश मिंडा, नारायण सिंह यादव, प्रहलाद शर्मा, जितेंद्र रावरिया, वीरू झंझोट और शंकर चिंतामणि सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।

शहर में अन्य जगहों पर भी होगा रावण दहन- दशहरा मैदान के अलावा इंदौर में उषागंज-छावनी, चिमनबाग मैदान, जेल रोड, तिलक नगर और विजय नगर में भी रावण दहन किया जाएगा। इसके अलावा शहर की कई कॉलोनियों और मोहल्लों में भी आयोजन होंगे।

पांच दशक से निशुल्क आतिशबाजी- समिति के संयोजक सलवाडिया ने बताया कि दशहरा मैदान पर रावण दहन के दौरान पिछले 50 वर्षों से गेरा परिवार की खेमा एजेंसी निशुल्क आतिशबाजी करती आ रही है। इस साल भी रंग-बिरंगी आतिशबाजी की जाएगी, जो रावण और लंका दहन के साथ दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगी।

हाईकोर्ट का आदेश

केवीएस को झटका, बीकॉम के साथ संगीत डिप्लोमा मान्य

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने कहा है कि भर्ती विज्ञापन में ह्यसमकक्ष योग्यताह्न का प्रावधान होने पर संस्थान उसे मनमाने ढंग से व्याख्या करके खारिज नहीं कर सकता। कोर्ट ने बीकॉम के साथ संगीत में डिप्लोमा को केवीएस भर्ती नियमों के तहत संगीत में स्नातक के समकक्ष माना।

न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर और न्यायमूर्ति जय कुमार पिल्लई की खंडपीठ ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के आदेश को बरकरार रखते हुए केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने यह भी पाया कि समान योग्यता के आधार पर अन्य शिक्षकों को नियुक्ति दी गई थी। एक ही नियम पर अभ्यर्थियों के साथ अलग-अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता। अदालत ने केवीएस को संबंधित अभ्यर्थी को 60 दिन में वरिष्ठता सहित सभी सेवा लाभ देते हुए नियुक्ति देने के निर्देश दिए हैं।

2022 में संगीत शिक्षक भर्ती का मामला- केवीएस ने 2022 में प्राथमिक शिक्षक (संगीत) भर्ती निकाली थी। अभ्यर्थी सौरभ व्यास ने परीक्षा पास की, लेकिन साक्षात्कार के दौरान बीकॉम और राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर के डिप्लोमा को आधार बनाकर उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी गई। केवीएस ने फॉर्म में गलत जानकारी देने का आरोप भी लगाया था, लेकिन कोर्ट ने माना कि अभ्यर्थी ने सही जानकारी भरी थी और धोखाधड़ी का आरोप निराधार था।

माइंड रीडर सुहानी शाह ने अनलॉक किए फोन के पासवर्ड

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

ब्रिलिएंट कन्वेंशन में आयोजित कार्यक्रम में माइंड रीडर सुहानी शाह, गायक सुनील लोधी और सोशल साइंस एजुकेटर डीगराज सिंह राजपूत ने अपनी बात रखी। सुहानी शाह ने अपने प्रयोगों से दर्शकों को हैरान किया, वहीं सुनील लोधी ने संघर्ष से सफलता तक का सफर बताया। डीगराज सिंह राजपूत ने महिला-पुरुष समानता, सुरक्षा और सम्मान जैसे मुद्दों पर बात की।

माइंड रीडर और जादूगर सुहानी शाह की प्रस्तुति कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में रही। उन्होंने कांच तोड़कर खाने जैसे करतब दिखाए। इसके अलावा लोगों के मन की बातें बताने और फोन का पासवर्ड बताने जैसे प्रयोगों से दर्शकों को हैरान किया। मन में चल रहे गाने और विचारों को अपने अंदाज में बताकर उन्होंने लोगों की उत्सुकता बढ़ाई। दृष्टिबाधित गायक सुनील लोधी ने अपनी गायकी के साथ संघर्ष और सफलता की कहानी साझा की। मध्यप्रदेश के सागर क्षेत्र से आने वाले सुनील ने बताया कि इंदौर आने के बाद उनके कुछ गानों को पहचान मिली और आगे बढ़ने के मौके मिले। इसके बाद उन्हें फिल्म 'हनुमान अंश' में भजन गाने का मौका मिला। सुनील की कहानी से बताया गया कि चुनौतियों के बावजूद प्रतिभा, मेहनत और लगातार प्रयास से अपनी जगह बनाई जा सकती है। उनकी आवाज और जीवन के अनुभवों ने दर्शकों को प्रेरित किया।

इंदौर में युवती मोपेड लेकर फरार, बैंक में कलेक्शन जमा कराने जा रहा था मैनेजर

इंस्टाग्राम रील बनाने के बहाने 10 लाख की धोखाधड़ी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंस्टाग्राम रील बनाने और फोटो खिंचवाने के बहाने 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है।

सराफा स्थित सांवरवाला ज्वैलर्स के मैनेजर को उसकी पुरानी परिचित युवती ने बातों में उलझाया और बैंक में जमा कराने के लिए ले जाए जा रहे 10 लाख रुपए अपनी एक्टिवा की डिग्गी में रखवा लिए। इसके बाद युवती घर जाने का बहाना बनाकर रुपए समेत गाड़ी लेकर फरार हो गई। मामले में एमजी रोड पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैंक में जमा कराने जा रहा था कलेक्शन- पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार फरियादी अंकित उपाध्याय सराफा स्थित सांवरवाला ज्वैलर्स में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। 8 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब एक बजे वह शोरूम का 10 लाख रुपए का कलेक्शन बैंक में जमा कराने के लिए मोपेड से निकला था। इसी दौरान डीआरपी लाइन के पास भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के गेट पर उसे अपनी पुरानी परिचित आयुषी बागदे उर्फ आयुषी वर्मा मिली।



जिद कर घर के पास बुलाया- आरोप है कि युवती ने अंकित को रोककर कहा कि वह अक्सर बड़ी रकम बैंक में जमा कराने जाता है। उसने पैसों के साथ फोटो खिंचवाने और इंस्टाग्राम रील बनाने की बात कही। अंकित ने पहले इनकार कर दिया, लेकिन युवती की जिद और कसम देने पर वह स्नेहलतागंज स्थित उसके घर के पास चला गया।

डिग्गी में रुपए रखवाकर हुई फरार

घर के पास पहुंचने पर युवती ने अंकित से 10 लाख रुपए अपनी एक्टिवा की डिग्गी में रखने को कहा। उसने भरोसा दिलाया कि रील बनाने के बाद रुपए वापस कर देगी। परिचित होने के कारण अंकित ने रकम डिग्गी में रख दी। इसके बाद युवती घर जाने का बहाना बनाकर एक्टिवा लेकर वहां से चली गई और वापस नहीं लौटी। घटना के बाद अंकित ने अपने मालिक को पूरी जानकारी दी। इसके बाद वह एमजी रोड थाने पहुंचा और थाना प्रभारी विजय सिसौदिया को मामले से अवगत कराया। पुलिस ने आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस युवती के संबंध में जानकारी जुटा रही है और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर दूसरा आंदोलन शुरू

रातभर सड़क पर बैठे रहे प्रदर्शनकारी, मांग नहीं मानने तक जारी रहेगा प्रदर्शन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को लेकर इंदौर में दूसरा प्रदर्शन शुरू हो गया है। भंवरकुआं इंदौर 2.0 नाम से शुरू हुए इस आंदोलन में छात्र, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। 10 अक्टूबर को भोलाराम गेट के सामने, डीडी गार्डन के पास शुरू हुए प्रदर्शन में आंदोलनकारी अपनी मांगों को लेकर रातभर सड़क पर बैठे रहे। इंदौर में चुनाव सुधारों को लेकर पहले से ही टंट्या भील चौराहे पर एक प्रदर्शन जारी है।

अब भंवरकुआं इंदौर 2.0 आंदोलन शुरू होने के साथ शहर में इस मुद्दे पर दूसरा प्रदर्शन भी सामने आया है। दोनों प्रदर्शनों का मुद्दा चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक व्यवस्था में जवाबदेही जैसे सवालों से जुड़ा है।



पवन अहिरवार बोले-

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा जरूरी आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पवन अहिरवार ने कहा कि भंवरकुआं इंदौर 2.0 केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक अधिकारों और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग को बुलंद करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि आंदोलन के जरिए संबंधित संस्थाओं तक अपनी बात शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से पहुंचाई जाएगी।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर इंडिया गठबंधन द्वारा महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे मानव श्रृंखला बनाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष विपिन वानखेडे , पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सदाशिव यादव , कृपा शंकर शुक्ला , सपा पार्टी के राजेंद्र यादव आदि मौजूद रहे।

पवन अहिरवार ने बताया कि भंवरकुआं इंदौर 2.0 आंदोलन का प्रमुख उद्देश्य मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाना है। प्रदर्शनकारियों ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। उनका कहना है कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए चुनाव प्रक्रिया पर जनता का भरोसा कायम रहना जरूरी है।

पांच प्रमुख मांगों को लेकर प्रदर्शन आंदोलनकारियों ने पांच प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा, केंद्रीय निर्वाचन आयुक्तों की चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और विपक्ष की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना शामिल है।

इसके अलावा मध्य प्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता, फर्जी और डुप्लीकेट मतदाता प्रविष्टियों को रोकने के लिए सुरक्षित डिजिटल मतदाता पहचान व्यवस्था विकसित करने तथा बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग भी उठाई गई।

खबर एक नजर...

सीहोर में किसानों ने मशाल जुलूस निकाल किया चक्काजाम

सीहोर। सीहोर में बिजली कटौती और झूलते तारों से परेशान किसानों ने रविवार रात विरोध प्रदर्शन किया। बरखेड़ी और कुलास विद्युत सबस्टेशन पर सैकड़ों किसान जमा हुए। उन्होंने मशाल जुलूस निकाला, बिजली कंपनी के खिलाफ नारेबाजी की और चक्काजाम भी किया। किसान एमएस मेवाड़ा और जनपद सदस्यों ने बताया कि रात 8 बजे से सुबह तक हर दो घंटे में बिजली कटती है। इससे फसलों की सिंचाई पर असर पड़ रहा है। खेतों में झूलते 11 केवी के तार भी हादसों का कारण बन रहे हैं। पिछले तीन महीनों से 25 से ज्यादा गांवों के लगभग 500 किसान सीहोर और भोपाल में आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने जल सत्याग्रह और धरने भी दिए। किसानों ने दोषी अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और ऊर्जा मंत्री से मामले में दखल देने की अपील की। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर समस्या हल नहीं हुई, तो आंदोलन दिल्ली के जंतर-मंतर तक ले जाया जाएगा।

शिवराज बोले- लाड़ली बहनें गुस्सा हो गईं तो खैर नहीं

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हर सरकार को लाड़ली बहना जैसी योजनाएं जारी रखनी पड़ेंगी। रायसेन के भोजपुर में कार्यक्रम के दौरान उन्होंने महिलाओं से पूछा कि योजना की राशि कितनी बढ़नी चाहिए। इस पर महिलाओं ने 3000 करने की आवाज लगाई। शिवराज ने जवाब दिया, 3000 बढ़ेंगे धीरे-धीरे। उन्होंने कहा, अब ये योजना मुख्यमंत्री जी ने जारी रखी है और हर सरकार को जारी रखनी पड़ेगी। सबको पता है कि बहनें गुस्सा हो गईं तो फिर खैर नहीं है। शिवराज प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-क्ष की लॉन्चिंग के कार्यक्रम में शामिल होने रविवार को भोजपुर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में लाड़ली बहना योजना शुरू होने के बाद देश के दूसरे राज्यों में भी महिलाओं को आर्थिक सहायता देने वाली योजनाएं शुरू हुईं। कहीं लाड़की बहना, तो कहीं मैया सम्मान योजना के नाम से महिलाओं को पैसे दिए जा रहे हैं।

एमपी में जूनियर डॉक्टरों का स्टाइपेंड 4.46% बढ़ा

भोपाल। मध्यप्रदेश के शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में पढ़ने वाले जूनियर डॉक्टरों के लिए राहत की खबर है। राज्य सरकार ने उनके स्टाइपेंड में 4.46% की बढ़ोतरी की है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। वित्त विभाग की सहमति के बाद बढ़ी हुई राशि 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। इससे पीजी के प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के साथ सुपर स्पेशियलिटी के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। जारी आदेश के मुताबिक, पीजी प्रथम वर्ष के डॉक्टरों का स्टाइपेंड 77,662 रुपए से बढ़ाकर 81,126 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है। द्वितीय वर्ष के डॉक्टरों को अब 80,050 रुपए के बजाय 83,620 रुपए मिलेंगे। वहीं, तृतीय वर्ष के डॉक्टरों का स्टाइपेंड 82,441 रुपए से बढ़ाकर 86,118 रुपए कर दिया गया है। सुपर स्पेशियलिटी के प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों का स्टाइपेंड भी बढ़ाकर 86,118 रुपए कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी महंगाई भत्ते के आधार पर की गई है।

नर्मदा किनारे जमी थी फड़, पुलिस को देख नाव से भागे 40-50 जुआरी

नर्मदापुरम। नर्मदा किनारे चल रहे जुआ फड़ पर माखननगर-शाहगंज पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई की। नसीराबाद ढाना और शाहगंज की बॉर्डर पर सुबह-सुबह पुलिस को देखते ही जुआरियों में भगदड़ मच गई। 40-50 लोग नाव में बैठकर भागे, जबकि 6-7 ने नदी में कूदकर दूसरी ओर जाने की कोशिश करते दिखे। बाद में सभी एक नाव से नदी पार कर फरार हो गए। नदी के तेज बहाव और खतरनाक रास्ते को देखते हुए पुलिस ने उनका पीछा नहीं किया। टीम ने मौके से नाव और ताश की गड्डी जब्त की। जुए के अड्डे पर लगा टेंट और दरी भी जला दी गई। एएसपी अभिषेक राजन ने बताया जुआरी नसीराबाद ढाना और शाहगंज की बॉर्डर पर अलग-अलग जगह पर बड़ी फड़ लगाकर जुआ खेल रहे थे। नर्मदा किनारे सीहोर के नांदनेर और नर्मदापुरम के आमखेड़ी खदान ढाना क्षेत्र में जुआ चलता है। जुआ खेलने आने वालों की गाड़ियां मौके से 5 से 7 किमी दूर खड़ी कराई जाती हैं। इसके बाद जुआरियों को ट्रैक्टर से नर्मदा किनारे तक लाया जाता है। वहां से नाव में बैठाकर लाया जाता है। यहां जुआरियों को मोबाइल चलाने की अनुमति भी नहीं होती।

राहुल नेतृत्व की कमी छिपाने के लिए बहाने ढूंढते हैं

खंडवा। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर जारी आंदोलन, राहुल गांधी की राजनीति और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी रक्फ़ को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लगातार चुनाव हारने वाले दल के नेता अपनी नेतृत्व क्षमता की कमी छिपाने के लिए बहाने तलाशते हैं। वहीं, एसआईआर प्रक्रिया का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया राहुल गांधी की दादी के समय में भी हुई थी। मतदाता सूची से दो जगह नाम दर्ज होने, मृत व्यक्तियों और विदेशी नागरिकों के नाम हटाने का विपक्ष को स्वागत करना चाहिए।

शाजापुर जिले में कृष्ण मृगों का महा रेस्क्यू अभियान,अधिकृत जानकारी का अभाव

पहले दिन 97, दुसरे दिन 79, पशु चिकित्सकों के साथ कूनो भेजा

हेलीकॉप्टर से हांका, दक्षिण अफ्रीका की विशेषज्ञ टीम ने संभाला मोर्चा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

एक बार फिर से शाजापुर में दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञों की मौजूदगी में मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान में पोलायकलां क्षेत्र में दुसरे दिन 79 कृष्णमृगों को पकडा गया है। जनसंपर्क से जारी प्रेस नोट में इसकी पुष्टि की है। वन विभाग के अधिकारी इस पुष्टि से बचते रहे। एक दिन पूर्व शनिवार को इसी क्षेत्र से 97 कृष्णमृग पकडे गए थे। पकडे गए मृगों को वन्यजीवों के विशेष वाहनों में भरकर पशु चिकित्सकों की मौजूदगी में कूनो नेशनल पार्क में भेजा जा रहा है।

शनिवार से शुरू किए गए अभियान में पहले दिन अच्छी सफलता वन विभाग को मिली थी। ग्रामीणों को अपेक्षा थी कि अगले दिन यह संख्या बढकर दुगनी हो सकती है लेकिन उनकी अपेक्षा अधूरी ही रह गई औरदुसरे दिन रविवार को कुल 67 मृग ही काफी मशक्कत के बाद हाथ लगे। इन्हें कुछ देर बाद ही कूनों के लिए रवाना कर दिया गया



है। शाजापुर जिले में इसी बोमा पद्धति से हेलीकॉप्टर के साथ पिछले वर्ष के अभियान में 846 कृष्णमृग और 67 नीलगाय रेस्क्यू कर गांधी सागर वन्य जीव अभ्यारण्य शिफ्ट की गई थीं,। इस वर्ष अधिकारियों के अनुसार 2 हजार कृष्णमृगों एवं जितनी नीलगाय पकड में आ जाए उन्हें रेस्क्यू कर कूनों नेशनल पार्क भेजने का लक्ष्य है।



उज्जैन में मिली थी असफलता

पिछले वर्ष दक्षिण अफ्रीका विशेषज्ञों की मौजूदगी में शाजापुर में बोमा पद्धति से कृष्णमृगों को पकडने में खासी सफलता मिली थी,लेकिन इस वर्ष उज्जैन में स्थानीय अफसरों को इसी पद्धति से नीलगाय पकडने में विफलता मिल थी। उज्जैन में नीलगाय (रोजड़) पकड़ने का बड़ा अभियान बृजराजखेड़ी / चंदेसरा से नरवर बेल्ट में चलाया गया था। ये अभियान 1 जून से 14 जून तक (14 दिन) चला था । इस अभियान में न तो हेलीकाप्टर मिला था और न ही दक्षिण अफ्रीका के विशेषज्ञ ही आए थेवन विभाग ने बोमा स्ट्रक्चर खड़ा किया,और मैनुअल प्रयास किया। पहले दिन 11 जून को 40-50 नीलगायों का झुंड जाल के मुहाने तक आ गया था, लेकिन टीम समय पर नहीं पहुंची और झुंड भाग गया। शोर-शराबे से नीलगायों ने पूरा बृजराजखेड़ी इलाका ही छोड़ दिया। इसके चलते बोमा से एक भी नीलगाय नहीं पकड़ी गई। मात्र 6 नीलगाय ग्रामीणों ने खुले खेत में दौड़ा-दौड़ाकर थकाकर अपने हाथों से पकड़ी थी, जिन्हें बाद में गांधी सागर अभयारण्य भेजा गया था।

हेलीकाप्टर से हांका

रविवार सुबह होते ही टीम एक बार फिर सक्रिय हो गई और हन्नुखेड़ी के आसपास के क्षेत्रों में कृष्ण मृगों को हांकने का काम शुरू कर दिया। दक्षिण अफ्रीका की विशेषज्ञ टीम की निगरानी में पूरी कार्रवाई की जा रही है, ताकि कृष्ण मृगों को सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया जा सके। रविवार को भी सुबह से दक्षिण अफ्रीका की विशेषज्ञ टीम ने हन्नुखेड़ी गांव के आसपास के क्षेत्र में एक बार फिर कृष्ण मृगों को हेलीकाप्टर से हांकने का काम किया था।

पूर्वांचल की पारंपरिक रसोई से जुड़ा अछवानी मसाला

जानिए किन सामग्रियों से तैयार होता है यह घरेलू मिश्रण

दादी-नानी की रसोई की परंपराओं से प्रेरित नुस्खे में मसालों, सूखे मेवों और जड़ी-बूटियों का समावेश

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन



भारतीय रसोई में मसालों का उपयोग केवल स्वाद बढ़ाने तक सीमित नहीं रहा है। अलग-अलग क्षेत्रों में परिवारों की अपनी पारंपरिक खाद्य शैलियां और घरेलू मिश्रण तैयार करने की परंपराएं भी रही हैं। पूर्वांचल की पारंपरिक खान-पान शैली से जोड़कर प्रस्तुत किया जाने वाला अछवानी मसाला भी ऐसा ही एक मिश्रण है, जिसमें विभिन्न मसालों, सूखे मेवों और औषधीय उपयोग के लिए जानी जाने वाली जड़ी-बूटियों को शामिल किया गया है। हालांकि, इसकी सामग्री और बनाने की विधि परिवार तथा क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग हो सकती है। प्रस्तुत सामग्री को किसी प्रमाणित या मानकीकृत पारंपरिक नुस्खे के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

इस मिश्रण की प्रस्तावित सामग्री में सोंठ, पीपली, पीपलामूल, हल्दी की गांठ, काली मिर्च, दालचीनी, लौंग, बड़ी और छोटी इलायची, जायफल, जावित्री तथा नागकेसर जैसे मसाले शामिल हैं। इसके अलावा अश्वगंधा, सफेद मूसली, शतावरी, विदारीकंद, मुलहठी, कचूर, अकरकरा, कुलंजन, सूखी गिलोय और गोखरू जैसी जड़ी-बूटियों का भी उल्लेख किया गया है।

पाचन से जुड़े पारंपरिक खाद्य मिश्रणों में इस्तेमाल होने वाले अजवाइन, जीरा, सौंफ और साबुत धनिया को भी इसमें शामिल करने का प्रस्ताव है। हींग वैकल्पिक सामग्री के रूप में दी गई है। अन्य सामग्रियों में सूखा नारियल, मखाना, छुहारा और खाने वाला गोंद शामिल हैं।

बनाने की प्रस्तावित विधि

इस मिश्रण को तैयार करने के लिए सूखी सामग्री की सफाई और उसकी नमी की जांच महत्वपूर्ण है। मखाने, खाने वाले गोंद, सूखे नारियल और छुहारे को अलग-अलग हल्का भूनने का उल्लेख है। इसके बाद सामग्री को ठंडा करके पीसने और साफ, सूखे तथा एयरटाइट डिब्बे में रखने की प्रक्रिया बताई गई है। हालांकि, इस मिश्रण में अनेक ऐसी जड़ी-बूटियां भी शामिल हैं, जिनकी पहचान, गुणवत्ता, मात्रा और आपसी अनुकूलता की पुष्टि जरूरी है। इसलिए सभी सामग्रियों को एक साथ पीसकर सेवन योग्य मिश्रण बना लेना उचित नहीं होगा। विशेष रूप से औषधीय जड़ी-बूटियों को शामिल करने से पहले योग्य आयुर्वेद चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए।

पारंपरिक उपयोग और वैज्ञानिक प्रमाण में अंतर

घरेलू परंपराओं में कुछ मसाला मिश्रणों को घी, गुड़ या दूध के साथ लेने का उल्लेख मिलता है। लेकिन किसी नुस्खे का पीढ़ियों से प्रचलित होना अपने आप में उसकी प्रभावशीलता या सुरक्षा का वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। अछवानी मसाले की यहां दी गई विशिष्ट सामग्री, कुल मात्रा और सेवन-विधि के स्वास्थ्य लाभों की पुष्टि के लिए विश्वसनीय प्रमाण उपलब्ध होना आवश्यक है। जड़ी-बूटियों की अधिक मात्रा, गलत पहचान या दवाओं के साथ उनकी संभावित प्रतिक्रिया नुकसान पहुंचा सकती है। गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं, बच्चों और नियमित दवाएं लेने वाले लोगों को विशेषज्ञ की सलाह के बिना ऐसे मिश्रण का सेवन नहीं करना चाहिए।

पूर्व विधायक पोरवाल के जन्मदिन पर हुआ भजन संध्या का आयोजन

अभिनंदन समारोह में हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित हुए



ब्रह्मास्त्र ▸▸ बड़नगर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक मुरली मोरवाल के जन्मदिवस के अवसर पर बड़नगर के गांधी चौक पर एक भव्य एवं विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया भजन संध्या और अभिनंदन समारोह में हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी महिला और पुरुष उपस्थित हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष, कद्दावर नेता श्री उमंग सिंघार विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव श्री सत्यनारायण पटेल, बदनावर विधायक श्री भवरसिंह शेखावत और नागदा-खाचरौद के पूर्व विधायक श्री दिलीपसिंह गुर्जर, महिदपुर के विधायक दिनेश जैन बॉस, प्रदेश अध्यक्ष श्री राष्ट्रीय राजपुर करणी सेना शिवप्रतापसिंह चौहान पिपलिहामा, हेमंत सिंह चौहान, विवेक यादव, सहित कई प्रमुख अतिथिगण मौजूद रहे।

समारोह के दौरान मोरवाल मित्र मंडल एवं क्षेत्रवासियों की ओर से नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार का अभूतपूर्व स्वागत किया गया। इस दौरान जेसीबी (खउइ) मशीन के माध्यम से पुष्पवर्षा कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया, वहीं तराजू में फलों के बराबर तौलकर उनका भव्य अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार ने बताया कि पूर्व विधायक मुरली मोरवाल पूरी तरह जनता को समर्पित होकर कार्य करते हैं और उन्होंने कहा कि आप ऐसे की जनता के बीच रहे हम आपके साथ पूरी तरह से खड़े हैं।

इस अवसर पर पूर्व विधायक श्री मुरली मोरवाल ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सभी अतिथियों, क्षेत्रवासियों और कार्यकताओं का आभार व्यक्त किया तथा क्षेत्र के विकास, जनसेवा और आपसी भाईचारे को बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि उनका पूरा जीवन जनता की सेवा और बड़नगर के विकास को समर्पित है।

कार्यक्रम में पधारे सभी विशिष्ट अतिथियों ने मंच से अपने संबोधन में पूर्व विधायक श्री मुरली मोरवाल को उनके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र के विकास में उनके योगदान की सराहना की। अतिथियों ने कहा कि श्री मोरवाल हमेशा से जनता के सेवा कार्य में तत्पर रहे हैं। जन्मदिन के इस पावन उपलक्ष्य पर सुरों की मधुरता और भक्तिभाव से सजी भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध भजन गायिका शहानाज अख्तर जी ने अपनी सुमधुर आवाज में एक से बढ़कर एक बेहतरीन भजन प्रस्तुत किए, जिससे पूरा वातावरण पूरी तरह से भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में महिलाओं की उपस्थिति के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी, और उपस्थित जनसमूह ने आयोजन का भरपूर आनंद लिया। आयोजन को सफल बनाने में मोरवाल मित्र मंडल, विधानसभा क्षेत्र बड़नगर के समस्त कार्यकताओं का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार नाहर ने किया आभार पूर्व जिला युवा (कांगेस)ग्रामीण अध्यक्ष करण मोरवाल ने माना '

छप्पन भोग के साथ 16 दिवसीय संझा महोत्सव का समापन

संझा लोक पर्व को सहेजने वाली कला साधिका का किया सम्मान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

बुधवारिया स्थित खंडेलवाल वैश्य पंचायत भवन में चल रहे 16 दिवसीय सामाजिक संझा महोत्सव का छप्पन भोग और सहभोज के साथ समापन हो गया। खंडेलवाल महिला मंडल द्वारा आयोजित इस महोत्सव में संझा लोक पर्व को जीवंत रखने के लिए कला साधिका पल्लवी किशन का बतौर अतिथि विशेष अभिनंदन किया गया। मालवा क्षेत्र में खंडेलवाल समाज एकमात्र ऐसा समाज है जो पिछले 4 वर्षों से सामूहिक रूप से इस पर्व को मना रहा है।

महोत्सव के दौरान प्रतिदिन गोबर से किलाकोट, गाड़ी और कुंवारे जैसी पारंपरिक रचनाएं बनाई गईं। महिलाओं ने रोज संझा के लोक गीत गाए और समापन से पूर्व 56 भोग का आयोजन किया। महिला मंडल अध्यक्ष रेखा झालानी और मधु सोखिया ने बताया कि इस अवसर पर खंडेलवाल महिला मंडल और खंडेलवाल वैश्य पंचायत के सभी कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे।

आयोजकों और सहयोगियों का हुआ सम्मान

लायंस क्लब विंग के सदस्यों, महिला मंडल पदाधिकारियों, बिंदु खंडेलवाल और नीता खण्डेलवाल ने कार्यक्रम की संयोजिका किरण जंघिनिया, सह संयोजिका कला राजोरिया और ऊषा गोलियां का सम्मान किया। इसके साथ ही 16 दिनों तक व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग देने वाली बिंदु खंडेलवाल, अलका दास, उर्मिला सामरिया, ज्योति बेवाल, संगीता बूसर, डिंपल रावत और रीटा लाभी का भी अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में सुशीला भुखमारिया, संतोष मामोडिया, करुणा केदावत, आशा बेवाल, ऋतु बड़ेरा, रंजना सामरिया, वीना दास, वंदना गोलियां, ऊषा झालानी, विजय लक्ष्मी गुप्ता, मंजू बटवाड़ा, रेखा गुप्ता, किरण खंडेलवाल, शकुन सामरिया और वंदना गुप्ता सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं। अंत में ऊषा गुप्ता ने आभार माना। कार्यक्रम के पश्चात सभी ने एक साथ सहभोज किया।

---

170 खिलाड़ियों ने दिखाया बाहुबल, 25 हजार नकद और ट्रॉफी से विजेताओं का सम्मान

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

कालिदास अकादमी के संकुल हॉल में आयोजित जिला स्तरीय महिला-पुरुष पंजा कुश्ती प्रतियोगिता में यावर अली, युवराज पंचोली, नवीन राठौर और दक्ष सिंह कुशवाहा ने चैंपियन ऑफ चैंपियंस 2026 का खिताब अपने नाम किया है। सभी विजेता खिलाड़ियों को आकर्षक ट्रॉफी, मेडल, प्रमाण पत्र और कुल 25 हजार रुपये की नकद राशि से सम्मानित किया गया। मध्य प्रदेश पंजा कुश्ती संघ भोपाल के मार्गदर्शन और उज्जैन जिला पंजा कुश्ती संघ के तत्वावधान में 10 अक्टूबर 2026 को यह भव्य प्रतियोगिता स्वर्गीय चुन्नी पहलवान यादव और स्वर्गीय कमल पहलवान यादव की स्मृति में संपन्न हुई। संस्था अध्यक्ष गोपाल यादव और सचिव प्रतीक सिंह तोमर ने बताया कि विभिन्न आयु एवं भार वर्गों की इस स्पर्धा में जिले भर के लगभग 170 महिला और पुरुष प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया और उत्कृष्ट बाहुबल का प्रदर्शन किया।

अपनी शक्ति और तकनीक का लोहा मनवाते हुए सीनियर वर्ग में यावर अली, यूथ वर्ग में युवराज पंचोली, जूनियर वर्ग में नवीन राठौर और सब जूनियर वर्ग में दक्ष सिंह कुशवाहा ने खिताब जीते।

उद्घाटन और समापन समारोह के अतिथि

स्वनाथ परिषद ने पारित किया प्रस्ताव

सिंहस्थ 2028 में विदेशी संस्थाओं के काम करने पर लगे प्रतिबंध

तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यशाला का समापन, हर बच्चे को मां संकल्प के साथ अनाथ बच्चों के कल्याण पर हुआ मंथन

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

आगामी सिंहस्थ कुंभ में गुम होने वाले या अनाथ बच्चों के मामले में किसी भी बाहरी या विदेशी संस्था व कंपनी को काम करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सम्राट विक्रमादित्य भवन में आयोजित विश्व मांगल्य स्वनाथ परिषद की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यशाला में यह अहम प्रस्ताव पारित किया गया। परिषद ने संकल्प लिया है कि सिंहस्थ क्षेत्र में विदेशी हस्तक्षेप रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

अनाथ (स्वनाथ) और सीएनसीपी बच्चों के कल्याण की दिशा में काम करने वाले इस देशव्यापी संगठन की अखिल भारतीय कार्यशाला का शुभारंभ परिषद के मार्गदर्शक प्रशांत हरतालकर, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर गोयल, अखिल भारतीय संयोजिका अंजली देव और अखिल भारतीय निदेशक नीरज चौधरकर ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि सुधीर गोयल ने समाज की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि स्वनाथ परिषद जैसी



ऊजार्वान युवा संस्थाएं ही सामने आकर समाज में बदलाव ला सकती हैं। उन्होंने सेवाधाम आश्रम में दिव्यांग अनाथों की सेवा गतिविधियों की जानकारी भी दी। प्रस्तावना में अंजली देव ने कार्यशाला के उद्देश्य और संकल्पना पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला का समापन विश्व मांगल्य सभा की अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख पूजा पाठक ने किया। मंथन के दौरान आगामी समय में स्वनाथ हेल्पलाइन, स्वनाथ एम्प्लॉयमेंट एक्सचेंज, स्वनाथ उद्योग सेवा केंद्र, स्वनाथ स्वास्थ्य सहायता केंद्र, स्वनाथ रिसर्च सेंटर और स्वनाथ इंटर्नशिप संचालित करने की योजना पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यशाला में इस बात पर बल दिया गया कि बच्चों को केवल संरक्षण ही नहीं, बल्कि ममता, परिवार जैसा वातावरण और सम्मानपूर्ण जीवन मिलना चाहिए।

मिशन वात्सल्य और दत्तक प्रक्रिया पर प्रशिक्षण

विभिन्न प्रांतों से आए कार्यकताओं को 'आओ कण्व बनें हम' और 'हर बच्चे को मां' के केंद्रीय भाव के साथ प्रशिक्षण दिया गया। कृपाशंकर चौबे ने फॉस्टर केयरिंग, दत्तक प्रक्रिया और मिशन वात्सल्य की महत्वपूर्ण जानकारी दी। सत्रों में स्वनाथ बच्चों की पृष्ठभूमि, वर्तमान परिस्थिति, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, स्वरोजगार और सुरक्षा जैसे विषयों पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। कार्यकताओं को सेवाधाम आश्रम प्रकल्प के भ्रमण से प्रत्यक्ष सेवा कार्यों का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला। सदाचार सभा के माध्यम से बच्चों में संस्कार, नैतिकता और सामाजिक दायित्वों पर चिंतन किया गया और आफ्टर केयरिंग व संगठनात्मक संरचना पर विचार रखे गए। महाकाल की आध्यात्मिक भूमि पर संपन्न हुआ यह राष्ट्रीय मंथन सेवा, संस्कार और संगठन को नई दिशा देने वाला सिद्ध हुआ।

मरीज की मां लगा रही पोंछा, स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

दमोह। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेहतर उपचार, साफ-सफाई और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे किए जाते हैं, लेकिन दमोह के एक सरकारी अस्पताल का बताया जा रहा दृश्य इन दावों पर सवाल खड़े कर रहा है। सामने आए दृश्य में एक महिला अस्पताल में पोंछा लगाती नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि महिला वहां भर्ती मरीज की मां है। यदि यह जानकारी सही है, तो यह केवल अस्पताल की सफाई व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि उस परिवार की बेबसी का भी सवाल है, जो अपने मरीज के उपचार के साथ अस्पताल की जिम्मेदारियां भी निभाने को मजबूर दिखाई दे रहा है। अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों की प्राथमिक जिम्मेदारी अपने प्रियजन की देखभाल करना होती है। मरीज को समय पर दवा मिले, चिकित्सकीय सलाह का पालन हो और उसकी स्थिति पर नजर रखी जा सके, इसके लिए परिजन पहले ही मानसिक तनाव से गुजरते हैं। ऐसे में यदि किसी मरीज की मां को अस्पताल में पोंछा लगाते हुए देखा जाता है, तो स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि अस्पताल की सफाई की जिम्मेदारी कौन निभा रहा है? क्या सफाई कर्मचारियों की कमी है? क्या निर्धारित कर्मचारी अपनी ड्यूटी नहीं कर रहे हैं? या फिर अस्पताल प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था में कोई खामी है?

फिल्म रामायण की रिलीज डेट का ऐलान

5 नवंबर को 5 भाषाओं में आएगी फिल्म, नए पोस्टर में दिखे रावण बने यश

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' के मेकर्स ने नवरात्रि के पहले दिन फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है।

इस पोस्टर में भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर, माता सीता के रूप में साई पल्लवी, लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे और रावण के अवतार में यश नजर आ रहे हैं।



इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म के पहले भाग की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। 'रामायण पार्ट 1' 5 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जबकि इसकी एडवांस बुकिंग दशहरा से शुरू की जाएगी। फिल्म के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा कि नवरात्रि के शुभ अवसर पर एक नए युग की शुरूआत हो रही है। उन्होंने टैगलाइन दी- ₹यह राम के युग का आरंभ है₹।

रिलीज किए गए पोस्टर में आगे की तरफ रणबीर कपूर, साई पल्लवी और रवि दुबे अपने-अपने किरदारों में दिखाई दे रहे हैं, जबकि बैकग्राउंड में यश का रावण अवतार नजर आ रहा है। इस पोस्टर में किरदारों के कॉस्ट्यूम और विस्तृत सेट की झलक देखने को मिल रही है। रामायण' को भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े रूपांतरण प्रोजेक्ट्स में से एक के रूप में तैयार किया जा रहा है। यह फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम सहित पांच भाषाओं में रिलीज होगी। मेकर्स इस फिल्म को प्रीमियम फॉर्मेट्स पर दर्शकों के सामने पेश करने की योजना बना रहे हैं।

नवरात्रि के पहले दिन नैना देवी मंदिर पहुंचीं जाह्नवी

रिया चक्रवर्ती के साथ नैनीताल में कर रहीं शूटिंग

नैनीताल में बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और रिया चक्रवर्ती अपनी नई थ्रिलर-रोमांटिक फिल्म ह्यपीएन 36ह्ल की शूटिंग कर रही हैं। रविवार को नवरात्रि के पहले दिन व्रत रखकर जाह्नवी कपूर होटल से करीब 150 मीटर पैदल चलकर नैना देवी मंदिर पहुंचीं।

यहां उन्होंने मां की आरती की और पूजा-अर्चना की। मंदिर समिति की ओर से उन्हें मां की चुनरी भेंट की गई। जाह्नवी और रिया ने बारिश और बादलों के बीच फिल्म के एक रोमांटिक सॉन्ग की शूटिंग भी की। अब तक फिल्म की शूटिंग नैनीताल के स्विस होटल में हुई है।



शनिवार को दोनों एक्ट्रेस ने यहां शूटिंग की थी। वहीं, होटल नमः में भी फिल्म के कुछ सीन फिल्माए गए हैं। हालांकि, यह शूटिंग नैनीताल से बाहर हुई है। शूटिंग के बीच दोनों एक्ट्रेस नैनीताल में ही हैं। ब्रेक के दौरान उनके आसपास के इलाकों में घूमने की संभावना है। दोनों के कैंची धाम जाने की भी चर्चा है, हालांकि अभी दर्शन का कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। जाह्नवी कपूर अपनी फिटनेस का भी ध्यान रख रही हैं। वह सुबह करीब 7 बजे मल्लीताल के रोपवे मार्ग स्थित बुल्स जिम में वर्कआउट करने पहुंची थीं। पीएन 36 में साउथ की एक्ट्रेस श्रीलीला और एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन उमेश बिष्ट कर रहे हैं।



जावेद अली के शो में लड़की से छेड़छाड़

हरिद्वार के आईआईटी रुड़की परिसर में थॉमसो शो के दौरान नाबालिग से छेड़छाड़ की गई है। यह घटना सिंगर जावेद अली के शो के दौरान हुई। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने नाबालिग के मोबाइल फोन को छीनकर फेंक दिया और उसके भाई के साथ धक्का-मुक्की की। क्लब के सुरक्षा गार्ड को अपनी ओर आता देख आरोपी वहां से चले गए।

आरोप है कि रात करीब 11 बजे जब भाई-बहन परिसर से बाहर निकले, तो गेट नंबर 8 के पास होटल पोलारिस के नजदीक आरोपियों ने उनका रास्ता रोक लिया। इसके बाद नाबालिग के भाई के साथ मारपीट की गई। इस दौरान नाबालिग के साथ भी अश्लील हरकतें की गईं। आरोपियों ने उसे पिस्टल दिखाकर धमकाया और उसका हाथ पकड़कर खींचा। दोनों के शोर मचाने पर आरोपी भागने लगे। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने दो आरोपियों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। हमले में घायल भाई को रुड़की के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अयोध्या में कंगना रनोट बोलीं- योगी मेरे भाई



बॉलीवुड एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनोट रविवार को अयोध्या पहुंचीं। उन्होंने दोपहर 1:30 बजे हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन किए। राम मंदिर में कंगना रामलला की प्रतिमा को अपलक निहारती रहीं।

इस दौरान कंगना ने जल्द शादी करने के संकेत भी दिए। उन्होंने कहा, ह्लअब लगता है कि परिवार के साथ कम से कम एक बार यहां जरूर आना पड़ेगा।ह्ल कंगना तीसरी बार अयोध्या पहुंची थीं।

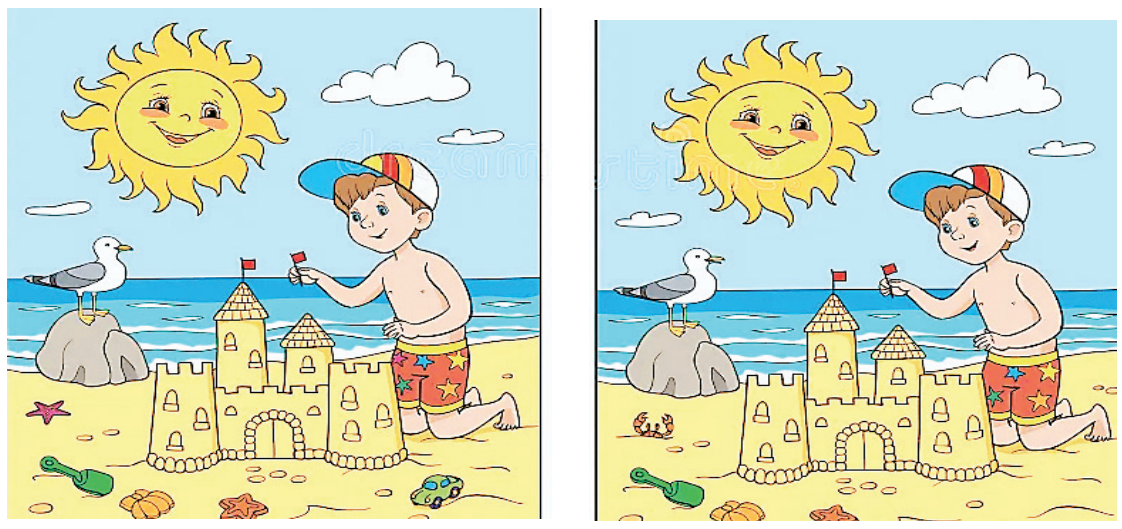
इससे पहले उन्होंने एक शोरूम का उद्घाटन किया। कंगना ने कहा कि अयोध्या में सड़कें बनी हैं और एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं विकसित हुई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन अब साकार हो रहा है।

कंगना ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को अपना भाई बताया। उन्होंने कहा कि अयोध्या के लोगों को उनकी सेवा का लाभ मिल रहा है। अयोध्या धाम आज दुनियाभर में प्रसिद्ध हो रहा है। यहां रहने वाले लोग धन्य हैं।

कंगना पहले श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचीं। मंदिर ट्रस्ट की ओर से उन्हें रामनामी चोला पहनाया गया। भगवान का प्रसाद दिया। उन्होंने करीब 30 मिनट तक मंदिर में दर्शन और भ्रमण किया। इसके बाद हनुमानगढ़ी में दर्शन किए।

कंगना ने कहा, रामलला की अयोध्या पवित्र धरती है। यहां आना हमेशा सौभाग्य की बात है। यहां आकर अत्यंत पावन और दिव्य अनुभूति हुई है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। कंगना ने राम मंदिर के भव्य परिसर की भी तारीफ की। उन्होंने कहा- मंदिर परिसर बेहद विशाल और खूबसूरत है। अयोध्या में आध्यात्मिक शांति और संतुष्टि का अनुभव करने के लिए परिवार के साथ कम से कम दो से तीन दिन बिताने चाहिए। तभी यहां की दिव्यता को पूरी तरह महसूस किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब लगता है कि परिवार के साथ कम से कम एक बार यहां जरूर आना पड़ेगा। अयोध्या पहुंचने से एक दिन पहले कंगना रनोट लखनऊ आई थीं। यहां उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर के प्रदर्शन के आह्वान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- देश के सामने राष्ट्रविरोधी तत्वों, आतंकवादी ताकतों और अंतरराष्ट्रीय साजिशों की चुनौतियां गंभीर चिंता का विषय हैं। कंगना ने आरोप लगाया कि अलग-अलग बहानों से देश और नागरिकों को परेशान करने की साजिशें की जा रही हैं।

जासूस बनिए....अंतर ढूंढो...



रंग भरकर चित्र बनाओ



जोक्स

मास्टर जी: सबसे ज्यादा नशा किसमें होता है?
छात्र: किताब में
मास्टर जी: कैसे?
छात्र: क्योंकि किताब खोलते ही नींद आ जाती है

टीचर: कौन सी जाति के लोग अच्छे नागरिक होते हैं ?
छात्र: बनिए !
टीचर: वो कैसे ?
छात्र: क्योंकि सर हर जगह लिखा होता है देश के अच्छे नागरिक बनिए।

माथा पच्ची

50		2		5		5	=	52
	■		■		■		■	
52		80		78		10	=	44
	■		■		■		■	
97		58		25		2	=	16
	■		■		■		■	
20		3		20		2	=	20
=	■	=	■	=	■	=	■	=
25		21		38		27	=	4 / 15

संकेत

खाली जगहों में आपको केवल (+), (-), (×) व (÷) के निशान लगाने हैं, जिनका उत्तर (=) पूर्णत: मेल खाता हो.

शब्दों का जाल

म	म	मा	पु	प	पु	प	के	ह	क	ल		
ह	ला	सू	ह	धि	ल	जी	स	ल	क	भा		
हे	बी	मा	द	अं	रा	त	र	म	ल	ग		
रा	र	दा	ल	ल	क	स	ओ	ह	सु	म		
के	सु	व	प	डी	म	मी	त	ल	व	भा		
रे	भी	ख्रु	स	जि	क	क	प	ध	स	ग		
के	ह	दु	रा	वै	म	ली	टे	ल	र	दा		
न	पू	कु	द	ह	प	जी	क	ला	पा	नी		
हं	गा	मा	सू	ह	ट	ने	ने	ल	जी	क		
सा	त	रं	ग	के	स	प	ने	दे	क	ल		
म	ह	व	ह	ज	तु	द	व	ज	ल	गा		

शब्दजाल में प्रियादर्शन निर्देशित की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं.

चुप चुप के, भागमभाग, हलचल, हंगामा, हेराफेरी, विरासत, काला पानी, सात रंग के सपने, मालामाल वीकली, मुस्कुराहट

अष्टयोग

	1			2		3
6	32		29	3	29	
1	6	5				7
	34		30	1	30	4
3		2		5	6	
7	31		32	7	43	
		4	1		7	5

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखना अनिवार्य है. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

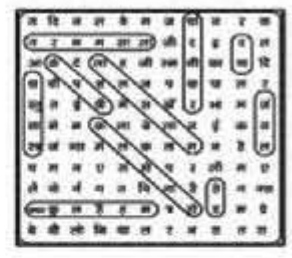
माथा पच्ची का हल

145	+	31	-	32	-	50	=	94
-	■	-	■	+	■	-	■	-
60	-	30	+	20	-	25	=	25
-	■	+	■	+	■	-	■	+
50	-	44	+	24	-	15	=	15
+	■	-	■	-	■	+	■	-
10	x	5	-	40	+	15	=	25
=	■	=	■	=	■	=	■	=
45	-	40	+	36	-	25	=	36

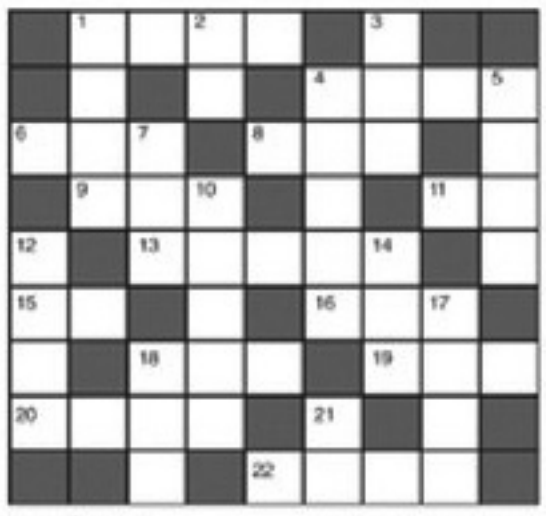
अष्टयोग का हल

5	7	3	4	1	6	2
2	33	6	36	6	30	1
1	2	7	4	5	6	3
4	32	4	32	4	32	4
7	6	1	4	3	2	5
6	37	2	25	7	36	7
3	7	5	1	2	4	6

शब्दजाल का हल



वर्ग पहेली





बाएं से दाएं

1. शमशीर, कृपाण-4
4. उपद्रवी, आतंकी-4
6. अनुबंध, संधि-3
8. धोखा, छल, मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी, जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा, कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा, विशाल-3
4. अपनत्व, अपनापा-5
5. अनबन, झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात, सहसा-4
14. दृष्टि, निगाह-3
17. बेमिसाल, अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद, आशा-2

सूडोकू नवताल

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

मुंबई में मैट्रिक्स वेलनेस में पहुंचे बॉलीवुड सेलेब्स



मुंबई में रविवार को बॉलीवुड सेलेब्स मैट्रिक्स वेलनेस के एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे। इवेंट के रेड कारपेट पर टाइगर श्रॉफ, दिशा पाटनी, जैकी श्रॉफ और नताशा स्टेनकोविक समेत कई हस्तियों ने शिरकत की।

दिशा पाटनी अपने ट्रेंडी आउटफिट्स में पहुंचीं। उनके साथ ही एली अवराम, नताशा स्टेनकोविक, दिव्या अग्रवाल और निम्रत कौर ने भी अपने लुक से लाइमलाइट में रहीं।



दूसरी तरफ, जुहू स्थित अपने घर 'जलसा' के बाहर अमिताभ बच्चन ने अपने 84वें जन्मदिन पर पारंपरिक 'संडे दर्शन' की परंपरा निभाई। उन्होंने कश्मीरी पशमीना शॉल और मैरून कुर्ते में प्रशंसकों का अभिवादन स्वीकार किया। कार्यक्रम में अभिनेता टाइगर श्रॉफ अपने ऑल-ब्लैक फिट लुक में पहुंचे, तो वहीं उनके पिता और वरिष्ठ अभिनेता जैकी श्रॉफ अपने कूल अंदाज में दिखाई दिए। दोनों ने मीडिया के कैमरों के सामने पोज दिए और इवेंट में शिरकत की।

ट्रम्प अटलांटिक या प्रशांत महासागर का नाम बदलेंगे



बोले- ट्रम्प ओशन या ओशन ऑफ द अमेरिका रखेंगे; होर्मुज को भी 'ट्रम्प स्ट्रेट' करने को कहा था

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अटलांटिक या पैसिफिक ओशन का नाम बदलकर ट्रम्प ओशन या ओशन ऑफ द अमेरिका रखने का सुझाव दिया है।

ट्रम्प ने शनिवार को एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि 2028 में अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले वह एक महासागर और एक बड़ी नदी का नाम बदलना चाहते हैं। उनकी इस बात पर रैली में मौजूद लोग हंसने लगे और तालियां बजाने लगे। इससे पहले भी ट्रम्प खुद के नाम पर कई जगहों के नाम रखने का सुझाव दे चुके हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कई बार होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिकी इलाका बताते हुए कहा कि क्या इसका नाम बदलकर ट्रम्प स्ट्रेट कर देना चाहिए।



मेक्सिको गल्फ को गल्फ ऑफ अमेरिका किया

पिछले साल ट्रम्प ने मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर गल्फ ऑफ अमेरिका कर दिया था। इस फैसले के बाद मेक्सिको के साथ कूटनीतिक तनाव बढ़ गया था। इस नाम को लेकर ट्रम्प प्रशासन और अमेरिकी न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस के बीच भी विवाद हुआ। खाड़ी के नए नाम को हर जगह इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में एजेंसी की पहुंच को लेकर कानूनी लड़ाई शुरू हो गई थी।

लेक ओंटारियो को भी लेक अमेरिका किया

इस साल अगस्त में ट्रम्प ने अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के बीच स्थित लेक ओंटारियो का नाम बदलकर लेक अमेरिका कर दिया था। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, यह फैसला कनाडा के नेताओं के साथ व्यापार और टैरिफ को लेकर चल रहे तनाव के बीच आया था।

न्यू मेक्सिको राज्य का नाम बदलने का भी सुझाव दिया

ट्रम्प ने अमेरिका के न्यू मेक्सिको राज्य का नाम बदलकर न्यू अमेरिका रखने का सुझाव भी दिया था। पिछले महीने उन्होंने यह विचार सामने रखा था। हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि इस बारे में फैसला राज्य के लोगों को ही करना होगा।

द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, न्यू मेक्सिको में रिपब्लिकन पार्टी के एक उम्मीदवार के समर्थन में वीडियो संदेश में ट्रम्प ने कहा था, 'मैं इस पर जोर नहीं दूंगा, लेकिन बहुत से लोगों को यह नाम काफी पसंद है।'

क्या अमेरिका अकेले नाम बदल सकता है?

अमेरिकी सरकार अपने आधिकारिक दस्तावेजों, सरकारी नक्शों और रिकॉर्ड में किसी जगह के लिए नया नाम इस्तेमाल करने का फैसला कर सकती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे देश भी उस नाम को स्वीकार करने के लिए बाध्य होंगे।

अंटलांटिक और पैसिफिक ओशन नॉर्थ से साउथ अमेरिका तक फैला हुआ है। इसलिए यह ओशन कई देशों से जुड़ा है। इसलिए अगर अमेरिकी सरकार अपने दस्तावेजों में इसे ट्रम्प ओशन कहना शुरू भी कर दे, तो भी दूसरे देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अमेरिकी नाम को अपने आप अपनाने के लिए बाध्य नहीं होंगी। यानी नाम बदलने से महासागर का मालिकाना हक नहीं बदल जाएगा। नया नाम इस्तेमाल करने से यह अमेरिकी क्षेत्र नहीं बन जाएगा।

महासागर का नाम बदलने का अभी कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं

ट्रम्प ने अटलांटिक या पैसिफिक ओशन का नाम बदलने की बात केवल रैली के दौरान कही। उन्होंने अभी तक इस बारे में कोई औपचारिक प्रस्ताव पेश नहीं किया है। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यकारी अधिकारों का इस्तेमाल करके समुद्र, झीलों और दूसरी भौगोलिक जगहों के नाम बदल सकते हैं। ट्रम्प

27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले आए 4 प्रमुख सर्वे में से 2 में विपक्षी खेमा, सरकार बनाने के लिए 61 सीटों का समर्थन चाहिए

इजराइल में नेतनयाहू की कुर्सी पर संकट, खेमे को बहुमत नहीं

ब्रह्मास्त्र ▸▸ तेल अवीव

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी पर संकट मंडरा रहा है। 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले आए 4 प्रमुख सर्वे में से 2 में विपक्षी खेमा आगे है, जबकि एक में दोनों खेमे बराबरी पर हैं और एक में नेतन्याहू का खेमा आगे है।

किसी भी खेमे को सरकार बनाने के लिए जरूरी सीटें मिलती नहीं दिख रहीं। ऐसे में चुनाव के बाद सत्ता की चाबी छोटे दलों के हाथ में जा सकती है। येरुशलम के महाने येहुदा बाजार में चुनावी पोस्टरों के बीच 76 साल के फल विक्रेता अब्राहम लेवी को भरोसा है कि नेतन्याहू फिर सरकार बनाएंगे। वे कहते हैं, ह्यनेतन्याहू को अपना काम पूरा करना है।ह्ल

लेकिन इसी शहर की जाफा स्ट्रीट पर दुकानदार इल्डा की राय अलग है। उनका कहना है कि हमास के हमले की जिम्मेदारी नेतन्याहू को लेनी चाहिए। तेल अवीव के जाफा इलाके में रहने वाले तुगेर्मान भी बदलाव चाहते हैं। वे कहते हैं कि वे गादी आइजनकोट का समर्थन करेंगे। लोगों की ये अलग-अलग राय इजराइल के चुनावी माहौल को दिखाती हैं। यहां कुछ लोग नेतन्याहू को दोबारा मौका देना चाहते हैं, तो कुछ हमास के हमले के बाद सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं।



सरकार बनाने में अरब पार्टियों और छोटे दलों की भूमिका अहम

इजराइल में किसी भी खेमे को बहुमत नहीं मिलने की स्थिति में छोटे दल सरकार बनाने का समीकरण बदल सकते हैं। चुनाव के बाद नेतन्याहू और विपक्ष, दोनों को सरकार बनाने के लिए दूसरे दलों के समर्थन की जरूरत पड़ सकती है।

दिए गए अनुमानों के मुताबिक, कुछ छोटे दलों को 12 से 15 सीटें मिलने की संभावना है। इनमें राम पार्टी को 5, संयुक्त अरब सूची को 7 से 9, ओफर विंटर की पार्टी को 5 और हेंडेल-जेलखा को 4 सीटें मिलने का अनुमान बताया गया है।

इन दलों का समर्थन किसे मिलता है, यह चुनाव के बाद सरकार बनाने की बातचीत में अहम हो सकता है।

इजराइल में 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए थे। इसके बाद गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाई में 74 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। करीब तीन साल बाद हो रहे इस चुनाव में सुरक्षा, हमास के हमले की जिम्मेदारी और नेतन्याहू का नेतृत्व बड़े मुद्दे हैं।

इजराइल की संसद में कुल 120 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए किसी भी खेमे को कम से कम 61 सीटों का समर्थन चाहिए। चुनाव से पहले आए चार प्रमुख सर्वे में किसी भी खेमे को यह आंकड़ा मिलता नहीं दिख रहा।

7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में कई परिवारों ने अपने लोगों को खो दिया था। अब चुनाव में ऐसे परिवारों के बीच भी नेतन्याहू को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही है। किबुत्ज बेरी की मेराव के माता-पिता हमले में मारे गए थे। उनका मानना है कि जिस सरकार के कार्यकाल में इतना बड़ा हमला हुआ, उसे दोबारा सत्ता में नहीं आना चाहिए।

वहीं, नेतन्याहू की लिकुड पार्टी की उम्मीदवार तालिक देश में मजबूत नेतृत्व चाहती हैं। इससे साफ है कि हमले के पीड़ितों के परिवार भी इस सवाल पर एकमत नहीं हैं कि अगली सरकार किसकी होनी चाहिए। इस चुनाव में फिलिस्तीन को अलग देश बनाने का मुद्दा प्रमुख यहूदी दलों की बहस में ज्यादा जगह नहीं पा रहा है। नेतन्याहू फिलिस्तीनी इलाकों पर इजराइल का सुरक्षा नियंत्रण बनाए रखने के पक्ष में हैं। विपक्षी दल भी सुरक्षा के मामले में सख्त रुख रखते हैं। यानी नेतन्याहू का विरोध करने वाले सभी दल फिलिस्तीन के मुद्दे पर उनसे अलग राय नहीं रखते। सरकार बदलने की मांग के बावजूद सुरक्षा और फिलिस्तीन के भविष्य को लेकर बड़े दलों के बीच मतभेद सीमित दिखाई देते हैं।

सऊदी के एयरपोर्ट पर हमले में भारतीय की मौत

हूतियों ने फिर किया रियाद पर हमला, 12 भारतीय घायल, जयशंकर ने दुख जताया

ब्रह्मास्त्र ▸▸ रियाद/नई दिल्ली

सऊदी अरब की राजधानी रियाद के एयरपोर्ट पर शनिवार को हुए हूती विद्रोहियों के हमले में घायल एक भारतीय की मौत हो गई है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारतीय नागरिक की मौत पर दुख जताया। उन्होंने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

जयशंकर ने कहा कि भारतीय दूतावास परिवार की हर संभव मदद करेगा। भारतीय दूतावास ने बताया कि वह मृतक के परिवार के संपर्क में है। दूतावास शव को जल्द भारत लाने में मदद करेगा। इस बीच, यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार को रियाद एयरपोर्ट पर फिर हमला किया। इस हमले में 12 भारतीयों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। सऊदी सेना के मुताबिक, रविवार को एयरपोर्ट पर एक मिसाइल या दूसरा विस्फोटक हथियार गिरा। इससे यात्रियों के एक हॉल में आग लग गई। सऊदी अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में भी कुछ लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में सऊदी अरब के चार नागरिक, बांग्लादेश



के दो नागरिक और अमेरिका, जॉर्डन, फिलिस्तीन, सीरिया, सूडान और मिस्र के एक-एक नागरिक शामिल थे।

यमन के हूती विद्रोहियों ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने एयरलाइंस और यात्रियों को सऊदी अरब के एयरपोर्ट और हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी दी है। हूतियों का कहना है कि वे यमन के गृहयुद्ध में सऊदी अरब की भूमिका के विरोध में हमले कर रहे हैं। संगठन ने कहा है कि सऊदी अरब के एयरपोर्ट को फिर निशाना बनाया जा सकता है।

हूतियों के खिलाफ हमला कर सकता है अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका हूतियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हालिया हमले की जानकारी मिलने के बाद फैसला लिया जाएगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हमले की निंदा की। उन्होंने पुष्टि की कि हमले में एक अमेरिकी नागरिक की भी मौत हुई है।

इथियोपिया के 80 से ज्यादा नागरिक बचाए गए

अफ्रीकी देश जिबूती के पास नाव डूबी, 109 की मौत, 116 लापता, 305 लोग सवार थे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ जिबूती सिटी

अफ्रीकी देश जिबूती के तट के पास प्रवासियों से भरी नाव डूबने से 109 लोगों की मौत हो गई, जबकि 116 लोग लापता हैं। नाव में करीब 305 लोग सवार थे। हादसे में 80 से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संस्था के मुताबिक, सभी जीवित बचे लोग इथियोपिया के नागरिक हैं। हादसा 8 और 9 अक्टूबर की दरमियानी रात जिबूती के ओबॉक शहर के उत्तर में हुआ। हादसे के बाद अब तक 109 शव बरामद किए गए हैं। इनमें 52 पुरुष, 42 महिलाएं और 15 बच्चे शामिल हैं। बच्चों में 9 लड़कियां और 6 लड़के हैं।

नाव अचानक समुद्र में डूब गई

हादसे में बचे लोगों ने बताया कि नाव जिबूती से यमन जा रही थी। इसी दौरान वह समुद्र में पलट गई। लापता लोगों की तलाश और प्रभावित परिवारों की मदद के लिए क्ड्ट की टीमें जिबूती के अधिकारियों के साथ काम कर रही हैं। जिबूती में क्ड्ट के मिशन प्रमुख एलेक्जेंडर कोइसाक ने कहा कि यह जानमाल का बेहद दुखद नुकसान है। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने लोगों को खोया है या अब भी उनकी खबर का इंतजार कर रहे हैं। गरीबी, असुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर के कारण कई लोग रोजगार और बेहतर जिंदगी की तलाश में यह खतरनाक समुद्री रास्ता अपनाते हैं।



ट्रम्प बोले- रूस और यूक्रेन में एनर्जी सीजफायर हुआ

एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमला नहीं करेंगे; समझौता न तोड़ने की चेतावनी दी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया है कि रूस और यूक्रेन ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्होंने रविवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि सीजफायर तत्काल प्रभाव से लागू होगा और दोनों देशों को इसका पालन करना चाहिए। हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि सीजफायर कितने समय तक लागू रहेगा। रूस और यूक्रेन की ओर से इस समझौते की आधिकारिक पुष्टि और इसकी शर्तों की जानकारी भी सामने नहीं आई है।

ट्रम्प रूस की तेल रिफानरियों पर यूक्रेन के हमलों को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने शनिवार को इन हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि इन हमलों से दुनिया में ईंधन की समस्या बढ़ सकती है। दरअसल, यूक्रेन रूस की तेल से जुड़ी



सुविधाओं को निशाना बना रहा है। इससे रूस की तेल से होने वाली कमाई और उसकी सेना तक ईंधन पहुंचाने की व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है।

रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया था। तब से दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है। यूक्रेन ने 20 सितंबर को रूस की एक तेल रिफाइनरी पर बड़ा ड्रोन हमला किया था। रूसी अधिकारियों के मुताबिक इस हमले में रिफाइनरी को भारी नुकसान पहुंचा था।

यूक्रेन ने 20 सितंबर को रूस की एक तेल रिफाइनरी पर बड़ा ड्रोन हमला किया था। रूसी अधिकारियों के मुताबिक इस हमले में रिफाइनरी को भारी नुकसान पहुंचा था।

जेलेंस्की बोले थे- रूस हमले रोके तो हम भी हमला बंद करेंगे

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि अगर रूस यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोक देता है, तो यूक्रेन भी रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमले बंद करने को तैयार होगा। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर कहा था कि तनाव कम करने के लिए दोनों देशों को एक साथ कदम उठाने होंगे और इसके लिए पक्की सुरक्षा गारंटी भी जरूरी है।

नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़: कई पुल-घर बहे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

नेपाल के गोरखा जिले में रविवार सुबह बूढ़ी गंडकी नदी में अचानक बाढ़ आने से कई गांवों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ में करीब 35 घर और 6 पुल बह गए, जबकि कम से कम 10 लोग लापता हैं। उनकी तलाश की जा रही है। बाढ़ से 341 मेगावाट के बूढ़ी गंडकी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण कैंप और कई मशीनें भी बह गईं। बाढ़ का पानी सुबह करीब 4 बजे बस्तियों में घुसा, जिसके बाद लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा।

शुरूआती जानकारी के मुताबिक, ऊंचे पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के कारण चुन्चुब्री स्यारी नदी का रास्ता बंद हो गया था। इससे पानी जमा हुआ और फिर अचानक तेज बहाव के साथ नीचे आया। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में आई बाढ़ में 1455 लोगों की मौत हुई थी। साथ ही 5,285 लोग अब भी लापता हैं। सरकार ने बताया कि लगातार हो रहे भूस्खलन के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है।

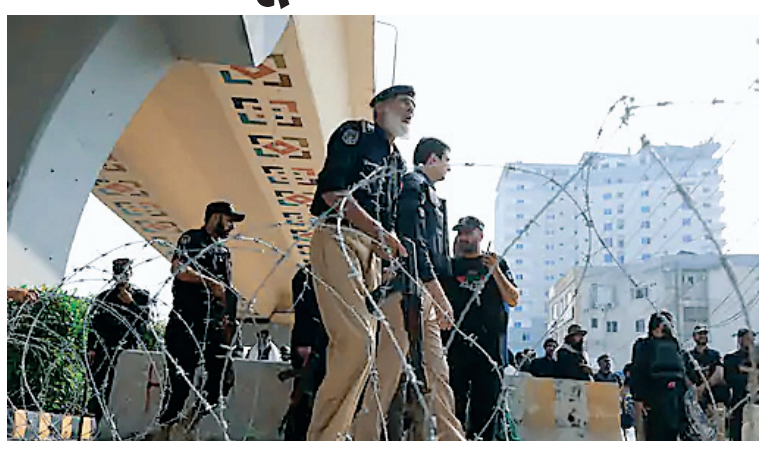
इमरजेंसी लगी; पूर्व पीएम की रिहाई के लिए राज्य के सीएम मार्च निकाल रहे थे

पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा में इमरान की पार्टी की सरकार बर्खास्त

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इस्लामाबाद

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने रविवार को खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में इमरजेंसी लगा दी और सरकार बर्खास्त कर दी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इसकी घोषणा की। यहां इमरान खान की पार्टी पीटीआई की सरकार है। खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी पूर्व पीएम की रिहाई की मांग को लेकर समर्थकों के साथ इस्लामाबाद की ओर 4 अक्टूबर से मार्च निकाल रहे थे। अब उन्हें अपना पद छोड़ना होगा।

शहबाज सरकार का आरोप है कि पीटीआई सरकार प्रांत में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में जानबूझकर सहयोग नहीं कर रही है। पाक सरकार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगी। इमरजेंसी लगाने का फैसला प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई आपात कैबिनेट बैठक में लिया गया। बैठक में प्रांत की सुरक्षा स्थिति



पर चर्चा हुई। सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 232 और 234 के तहत इमरजेंसी और गवर्नर शासन लागू करने का फैसला किया। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने इस कदम का विरोध किया है। पार्टी अध्यक्ष गौहर अली खान ने इसे अलोकतांत्रिक बताते हुए कहा कि प्रांत के अधिकार कमजोर करके शांति और स्थिरता नहीं लाई जा सकती।

इमरान खान के करीबी सहयोगी और पीटीआई प्रवक्ता जुल्फिकार बुखारी ने इस फैसले को हास्यास्पद बताया। उन्होंने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान की एकमात्र वैध रूप से चुनी गई सरकार है।



बुखारी ने कहा कि इस फैसले से हिंसा, अस्थिरता और आम लोगों की परेशानी बढ़ सकती है। बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने का रास्ता खुला था लेकिन सरकार के इस कदम से लगता है कि वह बातचीत करना ही नहीं चाहती थी।

इससे पहले इमरान खान के समर्थकों के प्रदर्शन कई बार हिंसक हो चुके हैं। 2024 में हुए प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षाकर्मियों और आम नागरिकों की भी मौत हुई थी। पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 232 के तहत युद्ध, दूसरे देश के हमले या देश के अंदर बिगड़े ऐसे हालात में इमरजेंसी लगाई जा सकती है, जिन्हें प्रांतीय सरकार संभाल न पा रही हो। इमरजेंसी लगने पर केंद्र सरकार को प्रांत के मामलों में दखल देने और कुछ मुद्दों पर कानून बनाने के ज्यादा अधिकार मिल जाते हैं। वहीं, अनुच्छेद 234 के तहत जब किसी प्रांत की सरकार संविधान के मुताबिक काम नहीं कर पाती, तो वहां गवर्नर शासन लगाया जा सकता है। इसके लिए राष्ट्रपति के फैसले को संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक से मंजूरी लेनी होती है। मंजूरी नहीं मिलने पर गवर्नर शासन दो महीने बाद खत्म हो जाता है। मंजूरी मिलने पर भी इसे एक बार में दो महीने के लिए ही बढ़ाया जा सकता है। यह व्यवस्था कुल छह महीने से ज्यादा नहीं चल सकती।

■ वर्ष-12 अंक-339 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ गुजरात महाराष्ट्र राजस्थान उत्तरप्रदेश उत्तरांचल मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

सुभाषितानि

पुस्तकस्या तु या विद्या परहस्तगतं धनं।
कार्यकाले समुत्पन्ने न सा विद्या न तद्धनम्।।

भावार्थ : दूसरों को दी किताबें और पैसा! जब सही समय आता है तो ऐसी कोई शिक्षा नहीं होती है और न ही धन होता है, यानी वे काम नहीं करते हैं।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, सोमवासरः 12 अक्टूबर, 2026

अलसस्य कुतो विद्या अविद्यस्य कुतो धनम्।
अधनस्य कुतो मित्रममित्रस्य कुतः सुखम्।।

भावार्थ : आलसी के लिए ज्ञान कहाँ है? अशिक्षितों के लिए पैसा कहां है? कहाँ है गरीब का दोस्त? और मित्रहीन के लिए सुख कहाँ है?

सम्पादकीयम्

आईआईटी इत्यस्मात् अपि प्रश्नाः अवश्यं पृष्टव्याः

आईआईटी बम्बई इत्यत्र घटितस्य घटनायाः कारणात् संस्थागततन्त्राणि, शिकायतनिवारणं, शैक्षणिकअनुशासनं च इति विषये प्रश्नाः उत्पन्नाः सन्ति। संस्थागतस्वायत्ततायाः पार्श्वे उत्तरदायित्वस्य विषये, तथैव छात्राणां मानसिकशैक्षणिकदबावानां, पर्याप्तपरामर्शस्य आवश्यकतायाः च उपरि बलं दातव्यम्। प्रवीण कौशलः - आईआईटी बम्बई इत्यत्र प्रकटितानां विशिष्टघटनानां परं बृहत्तरः प्रश्नः उत्पद्यते। एतादृशे प्रतिष्ठितसंस्थायाः अन्तः नियमानाम् आक्रोशानां च कृते स्थापितानां आन्तरिकव्यवस्थानां किं जातम्? अस्मिन् संस्थायाः शैक्षणिकअनुशासनसमितिः, अनुसूचितजाति/जनजातिप्रकोष्ठः, शिकायतनिवारणतन्त्रं, सिनेट् च अस्ति। तथापि एषः विषयः द्रुतगत्या वर्धितः- पुलिसः, विरोधान्दोलनानि, सामाजिकमाध्यमप्रवचनं च सम्मिलितम्। अत्रैव अस्माभिः अस्माकं संस्थानां स्थितिविषये गम्भीरतापूर्वकं चिन्तनस्य आवश्यकता वर्तते। विश्वासस्य माध्यमेन बलम्। दशकेषु भारतेन केवलं मुष्टिभ्यां उच्चशिक्षासंस्थाः स्थापिताः ये वैश्विकमान्यतां प्राप्नुवन्ति। तेषां यथार्थं बलं तेषां आधारभूतसंरचनायाः वा बजटस्य वा न, अपितु तेषां संस्थागतरूपरेखासु स्वायत्ततायां च निहितं भवति। संस्था विश्वासस्य आधारे सुदृढा भवतिः यत्र शिक्षकाः नियमाः प्रवर्तयन्ति, छात्राः तान् स्वीकुर्वन्ति, प्रत्येकं विवादस्य निराकरणं च स्थापितेन प्रक्रियायाः माध्यमेन भवति।

दिल्लीनगरे ईसीआईविरुद्धं विरोधः; काङ्ग्रेसः 'देशद्रोही ज्ञानेशः

अवश्यं गन्तव्यः' इति घोषयति, अखिलेशः वदति यत् भाजपा सीईसीरूपेण कार्यं करोति

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नव देहली

निर्वाचनआयोगस्य कार्यकरणस्य विषये मतदातासूचिकायाः विशेषसघनपुनरीक्षणस्य विषये च विपक्षः निरन्तरं आक्रमणं कुर्वन् अस्ति। अस्य अभियानस्य भागत्वेन अद्य दिल्लीनगरस्य वीथिषु विपक्षीयगठबन्धनः इति समूहः प्रविष्टः। खण्डस्य नेतारः संसदभवनात् निर्वाचनआयोगस्य मुख्यालयं प्रति गच्छन्ति। नेतारः मम मतं रक्षतु इत्यादीनि नारायुक्तानि पोस्टराणि गृहीत्वा मुख्यनिर्वाचनआयुक्तस्य ज्ञानेशकुमारस्य त्यागपत्रस्य आग्रहं कुर्वन्ति।

अस्मिन् मार्चे काङ्ग्रेस-अध्यक्षः मल्लिकार्जुन-खर्गे, सांसदराहुलगान्धी, प्रियंकागान्धी-वद्रा, समाजवादी-पक्षस्य प्रमुखः अखिलेश-यादवः, टीएमसी-सांसदः अभिषेक-बनर्जी इत्यादयः प्रमुखाः विपक्षनेतारः सांसदाः च भागं गृह्णन्ति। गठबन्धनस्य ३० सितम्बर्दिनाङ्के दिल्लीनगरे एकः सभा आसीत्, तदनन्तरं अस्य मार्गयात्रायाः घोषणा अभवत्। पदयात्रायाः आरम्भात् पूर्वं सांसदाः प्रातः १०:३० वादने संसदभवनस्य मकरद्वारे एकत्रिताः आसन्। राहुल गान्धी त्रिरङ्ग लहराति इदानीं पुलिसेन विपक्षस्य सांसदानां अग्रे अग्रे गन्तुं स्थगितम्, येन राहुलगान्धी, प्रियङ्का गान्धी च विरोधप्रदर्शने (धरना) उपविष्टौ। सामाजिकमाध्यमेषु एकं पोस्ट् साझां कुर्वन् राहुलगान्धी अवदत् यत्, सत्यं, एकस्मिन् दिने, विजयं प्राप्स्यति। पुलिस-नेतृणां मध्ये अपि विवादः अभवत्। राहुलगान्धी बैरिकेड्स् उपरि आरु त्रिरङ्गं तरङ्गितवान्। विरोधे प्रतिभागिनः ज्ञानेशकुमारस्य विरुद्धं उच्चैः नाराः उत्थापयन्ति।

राहुल प्रियंका च निरोधितौ गठबन्धनस्य विरोधस्य समये काङ्ग्रेसस्य सांसदौ



राहुलगान्धी, प्रियंका गान्धी वाड्रा च पुलिसैः निरुद्धौ स्तः। तेषां सह अन्ये अपि व्यक्तिः निरुद्धाः सन्ति। राहुलगान्धी, प्रियंका गान्धी च दीपेन्दर हुडा इत्यनेन सह आकाशवाणीभवनसङ्कुलं प्रविष्टौ। नेतारः निर्वाचनआयोगकार्यालयं गन्तुं प्रयतन्ते परन्तु द्वारे सुरक्षाकर्मचारिभिः तेषां रोधः कृतः, अतः विवादः अभवत्। तदनन्तरं राहुलः प्रियङ्का च आकाशवाणीभवनपरिसरस्य अन्तः उपविष्टौ। परिसरस्य अन्तः अन्यैः नेताभिः सह काङ्ग्रेसस्य सांसदौ केसी वेणुगोपालः चरणजीतसिंहचन्नी च अपि उपस्थिताः सन्ति। इदानीं काङ्ग्रेसपक्षः सामाजिकमाध्यमेषु एकं पोस्ट् साझां कृतवती यत् एषा आकाशवाणी अस्ति-देशद्रोही ज्ञानेशः अवश्यमेव गन्तव्यम् इति। भाजपा सीईसी अस्ति विरोधान्दोलनानां मध्ये सपाप्रमुखः अखिलेशयादवः सामाजिकमाध्यमेषु एकं पोस्ट् साझां कृतवान् यत् देशस्य कृते युद्धं कुर्वन्तः जनाः गृहीतस्य भयं न कुर्वन्ति इति। सः भाजपा एव सीईसीरूपेण कार्यं करोति इति टिप्पणीं कृत्वा सीईसी इत्यस्य त्यागपत्रस्य आह्वानं कृतवान्, अस्मिन् आग्रहे देशः एकीकृतः इति प्रतिपादितवान्। सः अवदत् यत् एकराष्ट्रं, एकं निर्वाचनं इति वकालतम् कुर्वतां यथार्थः कार्यसूची चण्डीगढशैल्याः युक्तिः च सर्वं एकस्मिन् निर्वाचनचक्रे संपुटयितुं, तस्मात् पुनः पुनः धांधलीयाः आवश्यकता न भवति। यावत् न्यूनानि वाराः धोखाधड़ी वा घोटाला वा भवति तथा तथा गृहीतस्य जोखिमः न्यूनः भवति। ज्ञानेश कुमारः भाजपा का मुख्य निर्वाचन आयुक्त, भारत का नहीं विरोधस्य समये टीएमसी सांसदः सागरिका घोषः अवदत् यत् अत्र अपारः दबावः अस्ति, अतः ज्ञानेशकुमारः राजीनामा ददातु इति।

सम्पूर्णं विषयं विचार्य

शैक्षणिकवर्षस्य सम्भाव्यहानिः इति विषये तकार्नाम्

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

याचिका योग्यताहीनत्वेन निरस्त सम्पूर्णं विषयं विचार्य उच्चन्यायालयेन छात्रस्य याचिका योग्यताहीनं मन्य निरस्तं कृतम्। न्यायालयेन उक्तं यत्, एकस्य अङ्कस्य अभावस्य, एकस्य शैक्षणिकवर्षस्य सम्भाव्यहानिः इति विषये तकार्नाम् अभावेऽपि, एतादृशं राहतं दातुं कानूनी वा नियामकीयः आधारः नास्ति अस्मिन् निर्णये स्पष्टं भवति यत् चिकित्सापरीक्षायां अनुग्रहाङ्कानां दावाः स्वयमेव स्वीकार्यः न भवति यतोहि छात्रः सीमान्तमात्रायां उत्तीर्णाङ्कानां न्यूनतां प्राप्नोति। एतादृशस्य भत्तेः कृते प्रासंगिकपरीक्षाविनियमानाम् अन्तः स्पष्टः प्रावधानः अत्यावश्यकः अस्ति। उभयपक्षस्य वकिलेन प्रस्तुताः तर्काः अपर महाधिवक्ता जान्हवी पंडित राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व किया, जबकि अधिवक्ता नीरज सिंह चौहान मध्य प्रदेश चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से उपस्थित हुए। विभागीयपीठिका उभयपक्षस्य तकार्नाम्, प्रयोज्यविनियमानाञ्च विचारं कृत्वा स्वस्य आदेशं उच्चारयति स्म। अस्मिन् सन्दर्भे उच्चन्यायालयस्य वृत्तिः परीक्षामूल्यांकनस्य नियमानाम् बाध्यकारीत्वे केन्द्रीभूता आसीत्। यद्यपि छात्रः एकेन अङ्केन असफलः इति तथ्यस्य आधारेण राहतं याचितवती-तथा च तेषां शैक्षणिकवर्षे सम्भाव्यं प्रभावं विचार्य।

स्थानान्तरितछात्राणां विशेषप्रशिक्षणस्य प्रस्तावितां

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मान्यतायै संस्थानां निरीक्षणं कथं कृतम्, आधारभूतसुविधानां सत्यापनम् कथं कृतम्, आवेदनपत्रे उक्तस्थानस्य वास्तविकस्थलस्य च विसंगतिः कथं सामञ्जस्यं जातम्, मान्यतां येषु आधारेषु प्रदत्तम् इति विषये परिषदः वृत्तिः महत्त्वपूर्णा भविष्यति। तदतिरिक्तं स्थानान्तरितछात्राणां विशेषप्रशिक्षणस्य प्रस्तावितां रूपरेखा न्यायालये प्रस्तुता भविष्यति। निर्धारितस्य अग्रिमसुनवाये मान्यताप्रक्रिया छात्रप्रशिक्षणव्यवस्था च द्वौ अपि महत्त्वपूर्णौ भविष्यतः एकतः मान्यतां परितः आरोपानाम् विषये नियामकसंस्था किं किं तथ्यं प्रस्तुतं करोति इति द्रष्टव्यम् अपरपक्षे येषां।

राशिफल

मेष : आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। परिवार की सेहत का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा।

वृषभ : आज आपको निवेश से बचना चाहिए, वरना नुकसान हो सकता है। सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

मिथुन : आज आपका आर्थिक बोझ बढ़ेगा। अगर आप ग्रुप एक्टिविटी में शामिल होंगे तो आप नए दोस्त बनाएंगे।

कर्क : जिन लोगों ने किसी अनजान व्यक्ति की सलाह पर अपना पैसा निवेश किया था उन्हें आज लाभ मिलने की प्रबल संभावना है।

सिंह : आज का दिन खुशी व आनंद से भरा रहने वाला है। कार्यस्थल पर आपके पिता की कोई सलाह फायदेमंद साबित हो सकती है।

कन्या : अगर आप पैसों से जुड़े किसी मामले में फंसे थे तो आज कोर्ट आपके पक्ष में फैसला सुनाएगा। आपको आर्थिक लाभ होगा।

तुला : आज मानसिक परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए योग व ध्यान का सहारा लें। लंबी दूरी की यात्रा संभव है।

वृश्चिक : आर्थिक स्थिति में सुधार निश्चित है। आज का दिन आपके परिवार में खुशियों की सौगात ला सकता है।

धनु : आज आपका आत्मविश्वास व एनर्जी बढ़ी हुई रहेगी। एनर्जी बढ़ने से कार्यों में गति आएगी।

मकर : अपने भविष्य को समृद्ध बनाने के लिए आपने अतीत में जो भी पैसा निवेश किया था, उसका आज फल मिलेगा।

कुंभ : आज आपको घरेलू परेशानियां घेर सकती हैं लेकिन परेशान होने की जरूरत नहीं है आप इनका हल निकाल लेंगे।

मीन : आज खर्चों में वृद्धि हो सकती है। परिवार के बड़े-बुजुर्ग धन से जुड़ी कीमती सलाह दे सकते हैं।

एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने में सूर्या की बराबरी; तिलक के 50 कैच पूरे

अभिषेक शर्मा ने सबसे तेज 2000 टी-20 रन बनाए

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

भारत ने तीसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को 14 रन से हरा दिया। इंदौर में खेले गए मुकाबले में अभिषेक शर्मा टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 2 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। अभिषेक ने एक साल में सबसे ज्यादा छक्के लगाने में सूर्यकुमार यादव की बराबरी भी की। वहीं, तिलक वर्मा टी-20 में 50 कैच पूरे करने वाले पांचवे भारतीय खिलाड़ी बन गए।

अभिषेक ने 1024 गेंद पर 2 हजार टी-20 रन पूरे किए- अभिषेक ने 1,024 गेंद में सबसे तेज 2 हजार रन बनाए। उन्होंने सूर्यकुमार यादव को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 1,164 गेंद में यह कारनामा किया था।

अभिषेक शर्मा ने इस साल लगाए 68 छक्के- अभिषेक ने इंदौर में 5 छक्के लगाए। वे 2026 में टी-20 इंटरनेशनल में 68 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में सूर्यकुमार यादव की बराबरी की। सूर्यकुमार ने 2022 में 68 छक्के लगाए थे।

अभिषेक-किशन ने भारत के लिए सबसे तेज शतकीय साझेदारी की- अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने इंदौर में 6.4 ओवर में 16.2 के रनरेट से 108 रन जोड़े। यह टी-20 इंटरनेशनल में भारत के लिए 100 रन की साझेदारी के दौरान सबसे तेज रन रेट है। दूसरे नंबर पर अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा हैं, जिन्होंने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 16.04 के रनरेट से 115 रन जोड़े थे।



चौका समझ पिच पर खड़े हुए तिलक, लेकिन रनआउट हो गए

16वें ओवर की चौथी गेंद पर तिलक वर्मा अजीबोगरीब तरीके से रनआउट हुए। अक्षर पटेल ने गुडाकेश मोती की लो फुलटॉस को डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की ओर खेला। दोनों बल्लेबाजों ने एक रन पूरा कर लिया। फील्डर निकोलस पूरन ने गेंद को बाउंड्री तक जाने से रोक लिया। हालांकि अक्षर और तिलक को लगा कि गेंद चार रन के लिए चली गई है। दोनों पिच के मिडल पर खड़े होकर ग्लव्स टकराने लगे। इसी दौरान विकेटकीपर शाई होप ने अक्षर को रनआउट करने की कोशिश की, लेकिन वे समय रहते क्रीज में पहुंच गए। तिलक अपनी क्रीज की ओर लौट रहे थे, तभी गेंदबाज मोती ने गेंद लेकर नॉन-स्ट्राइकर एंड के स्टंप बिखेर दिए। तीसरे अंपायर ने जांच के बाद तिलक को रनआउट दे दिया।

तिलक ने टी-20 में 50 कैच पूरे किए- तिलक वर्मा ने टी-20 इंटरनेशनल में 50 कैच पूरे कर लिए हैं। वे ऐसा करने वाले पांचवे भारतीय खिलाड़ी बने। रोहित शर्मा 65 कैच के साथ पहले स्थान पर हैं।

टी-20 में भारत ने तीसरा सबसे बड़ा ऑलआउट स्कोर बनाया- भारत 223 रन बनाकर पूरे 20 ओवर में ऑलआउट हुआ। पुरुष टी-20 इंटरनेशनल में ऑलआउट होने के बाद यह तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इस सूची में तुर्की 237 रन के साथ पहले स्थान पर है।

प्रिंस यादव ने नंबर-10 बैटिंग करते हुए 3 बाउंड्री लगाईं- प्रिंस यादव ने नंबर-10 या 11 पर बल्लेबाजी करते 3 या ज्यादा बाउंड्री लगाने वाले तीसरे भारतीय बने। उन्होंने इंदौर में 3 बाउंड्री की मदद से 6 गेंद पर नाबाद 13 रन बनाए।

छक्का लगाने के बाद अगली गेंद पर स्टंप आउट हुए ईशान किशन- रोस्टन चेज के ओवर की पहली गेंद पर ईशान किशन ने सीधा छक्का लगाया। इसकी अगली ही गेंद पर चेज ने उन्हें स्टंप आउट करा दिया। आगे बढ़कर शॉट खेलने की कोशिश में ईशान गेंद चूक गए और बैलेंस बिगड़ने के कारण क्रीज पर वापस नहीं पहुंच सके। इस दौरान विकेटकीपर शाई होप ने स्टंप बिखेर दी।

मयंक यादव ने सीरीज की सबसे तेज गेंद फेंकी- तीसरे ओवर की पहली गेंद पर मयंक यादव ने 151 किलीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डाली। ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर आई इस तेज गेंद को शिमरॉन हेटमायर खेलने से चूक गए। यह सीरीज की सबसे तेज गेंद रही।

अभिषेक ने हेटमायर का आसान कैच छोड़ा- पारी के तीसरे ओवर में अभिषेक शर्मा ने हेटमायर का कैच छोड़ दिया। ओवर की पांचवी गेंद मयंक ने शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद डाली। इस पर हेटमायर ने ऑफ साइड में शॉट खेला, जो शॉर्ट थर्ड मैन पर खड़े अभिषेक शर्मा के पास गया। अभिषेक असमंजस में दिखे और गेंद उनके हाथों से छिटक गई। तब हेटमायर 5 रन बनाकर खेल रहे थे।

ज्योतिष/वास्तु

दशहरे तक नौकरी-बिजनेस में होगा लाभ

नवरात्रि के नौ दिन इन चार राशि वालों का भाग्य रहेगा मजबूत



ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति का सकारात्मक प्रभाव कुछ राशि वालों पर देखने को मिल सकता है। इस दौरान जातकों को नौकरी, कारोबार और पारिवारिक जीवन में अच्छे परिणाम मिलने के योग बन सकते हैं।

मां दुर्गा को समर्पित शारदीय नवरात्रि की शुरूआत इस साल 11 अक्तूबर 2026 से हो रही है। मान्यता है कि इस बार देवी मां का आगमन हाथी पर होगा, जिसे शुभता, सुख-समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हाथी पर देवी का आगमन होने से धन-धान्य में वृद्धि और सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होती है। ऐसे में नवरात्रि का यह पर्व भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है। ज्योतिषीय दृष्टि से भी इस साल शारदीय नवरात्रि को खास माना जा रहा है। नवरात्रि के पहले दिन हस्त नक्षत्र और शुक्ल योग का प्रभाव रहेगा। इसके अलावा गुरु और चंद्रमा के केंद्र संबंध से बनने वाले गजकेसरी योग को भी शुभ माना जाता है। देवगुरु बृहस्पति और सूर्य के बीच बनने वाला शुभ संबंध भी इस समय को महत्वपूर्ण बना सकता है। वहीं, नवरात्रि के दौरान करीब चार से पांच दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बनने की संभावना है। इसके अलावा 11 अक्तूबर 2026 को सूर्य मंगल के नक्षत्र चित्रा में प्रवेश करेंगे और 24 अक्तूबर तक इसी नक्षत्र में रहेंगे। ऐसे में यह समय इन 4 राशियों के लिए लाभकारी हो सकता है। आइए इनके नाम जानते हैं।

कर्क राशि- कर्क राशि वालों के लिए नवरात्रि का समय लाभकारी साबित हो सकता है। इस समय कोई नया वाहन आप खरीद सकते हैं। परिवार में सुख-शांति और खुशियां बनी रहने की संभावना है। इसके अलावा नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक मामलों में भी सकारात्मक परिणाम मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी आय के नये साधन बनेंगे और संचित धन में वृद्धि होगी।

कन्या राशि- कन्या राशि वालों के लिए नवरात्रि के नौ दिन खास रह सकते हैं। अविवाहित जातकों के विवाह की बात आगे बढ़ सकती है और रिश्तों से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। वहीं, कोई विदेश यात्रा करने का मौका मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग ला सकती है। पदोन्नति और मनचाहे स्थान पर तबादले के योग बनेंगे। भविष्य के लिए महत्वपूर्ण फैसले लेने के अवसर मिल सकते हैं।

धनु राशि- धनु राशि वालों को इस दौरान अपनों का पूरा साथ मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ रिश्ते मजबूत होंगे और घर का माहौल खुशनुमा रह सकता है। इस समय जमीन से जुड़ा मामला हल होगा। नौकरी और कारोबार से जुड़े मामलों में भी आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। आपकी मुलाकात प्रभावशाली लोगों से होगी। किसी पुराने संपर्क से लाभ मिलने की संभावना है। इस दौरान आत्मविश्वास के साथ काम करना आपके लिए फायदेमंद रह सकता है।

मीन राशि- मीन राशि वालों की किस्मत नवरात्रि के दौरान चमक सकती है। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। इस समय आपके रुके हुए कामों में गति आने और मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने के योग बन सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। आप अपनी सुख-सुविधा से जुड़ी चीजों पर खुले हाथ से खर्च भी करेंगे। परिवार में इस समय खुशियां बनी रहेंगी।

रणजी ट्रॉफी- यशस्वी 13 गेंद खेलकर शून्य पर आउट

केएल राहुल 4 रन बना सके, अरुणाचल का मैच रद्द

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुंबई

रणजी ट्रॉफी 2026-27 के पहले दिन रविवार को भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। मुंबई की ओर से खेल रहे यशस्वी चंडीगढ़ के खिलाफ 13 गेंद खेलने के बाद बिना खाता खोले आउट हो गए, जबकि कर्नाटक के लिए खेल रहे राहुल आंध्र प्रदेश के खिलाफ 4 रन ही बना सके। वहीं, अरुणाचल प्रदेश का मैच रद्द हो गया। गिल के 18 अक्टूबर से छत्तीसगढ़ के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे मैच में खेलने की संभावना है। वह इंडिया-अ टीम का हिस्सा नहीं हैं।

जायसवाल 13 गेंद खेलकर शून्य पर आउट- जायसवाल को हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया था। हालांकि, उन्हें किसी भी मैच की प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली। इससे पहले श्रीलंका दौरे पर 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में उन्होंने 3 पारियों में कुल 77 रन बनाए थे।



राहुल 4 रन बनाकर लौटे, कर्नाटक के 4 विकेट गिरे- मुलापाडू में आंध्र प्रदेश के खिलाफ मुकाबले में कर्नाटक के सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। वे महज 4 रन बनाकर आउट हो गए। पिछले सीजन की उपविजेता कर्नाटक की शुरूआत खराब रही। आंध्र प्रदेश के तेज गेंदबाज कावुरी साईतेजा और केवी शशिकांत ने शुरूआती ओवरों में विकेट लेकर कर्नाटक को दबाव में डाल दिया। राहुल ने हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। मुल्लांपुर में खेले गए मैच में उन्होंने 82 गेंदों पर शतक लगाया था।

अरुणाचल और नागालैंड का मैच रद्द

रणजी ट्रॉफी के पहले दौर में अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड के बीच अहमदाबाद में खेला जाने वाला प्लेट ग्रुप का मुकाबला रद्द करना पड़ा। अरुणाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के दो गुटों के बीच गुवाहाटी हाईकोर्ट की ईटानगर बेंच में कानूनी विवाद चल रहा है। इसके कारण अरुणाचल की टीम मैदान पर नहीं उतर सकी और मैच में एक भी गेंद नहीं फेंकी गई। इससे पहले भुवनेश्वर में शुरू हुई विनू मांकड़ अंडर-19 ट्रॉफी में भी अरुणाचल प्रदेश की टीम ने हिस्सा नहीं लिया था। इउउकने नागालैंड की टीम को पहले ही बता दिया था कि कोर्ट का फैसला आने तक अरुणाचल की टीम मैदान पर नहीं उतर पाएगी। राष्ट्रीय चयन समिति ने उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को घरेलू सीजन में कम से कम एक रणजी ट्रॉफी मैच खेलने के लिए कहा है। इसके तहत रवींद्र जडेजा सौराष्ट्र, केएल राहुल कर्नाटक, गुरनूर बराड़ पंजाब और आकाश दीप बंगाल की टीम से खेल रहे हैं।

न्यूजीलैंड की वनडे टीम में रचिन-चापमैन की वापसी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाली 5 मैचों की वनडे सीरीज के लिए 21 सदस्यीय टीम घोषित की है। चोट के कारण टी-20 सीरीज से बाहर रहे रचिन रवींद्र और मार्क चापमैन की वनडे टीम में वापसी हुई है। कप्तान मिचेल सैंटनर समेत 6 खिलाड़ी पूरी सीरीज खेलेंगे, जबकि 8 खिलाड़ी शुरूआती 3 वनडे के बाद टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए लौट जाएंगे। आखिरी 2 वनडे के लिए 7 नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया जाएगा। न्यूजीलैंड के हेड कोच रोब वाल्टर ने वर्कलोड मैनेजमेंट को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को तीन समूहों में बांटा है। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद न्यूजीलैंड को 2 टेस्ट मैच भी खेलने हैं। रचिन रवींद्र अक्टूबर में एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान कैच लेने के लिए डाइव लगाते समय कंधा खिसका बैठे थे। इस वजह से वे टी-20 सीरीज के लिए चयन के उपलब्ध नहीं थे। वहीं, मार्क चापमैन हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण टी-20 टीम में जगह नहीं बना सके।

खबर एक नजर...

रणकेश्वर मंदिर में मिला महिला का गुम हुआ मोबाइल



उज्जैन। प्रेम एवेन्यू में रहने वाली रितिका पति राकेश नैनानी घर से निकली थी, वह एमआर-5 मार्ग रणकेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां से वापस लौटी तो उसका मोबाइल गायब हो चुका था। वह चिमनगंज थाने पहुंची और 25 हजार कीमत का मोबाइल गुम होने की शिकायत की उसके आंखों से आंसू झलकने लगे थे। एसआई दिनेश भट्ट ने महिला की शिकायत पर तत्काल संज्ञान लिया और आरक्षक आनंद मिश्रा के साथ जगदीश गोयल को मोबाइल की तलाश के निर्देश दिये। आरक्षकों ने लोकेशन ट्रेस की और 20 मिनट बाद रणकेश्वर महादेव मंदिर पहुंच गई। जहां एक महिला के पास उक्त मोबाइल मिल गया। महिला ने बताया कि किसी को मोबाइल मंदिर में छूट गया था। पुलिस ने मोबाइल रितिका नैनानी का होने पर उसे बरामद किया और थाने आकर वापस लौटा दिया। मोबाइल मिलने पर रितिका की आंख से झलकते आंसू मुस्कान में बदल गये थे। उसके द्वारा तत्काल मोबाइल खोज निकालने पर पुलिस का आभार व्यक्त किया।

महादेव ढाबा पर रात 10 बजे पथराव, एक घायल

उज्जैन। जयसिंहपुरा में पिपलीबाजार में रहने वाला संतोष पिता केशरीमल सोनिया हरिफाटक के पास महादेव ढाबा संचालित करता है। रात में 10 से 10.30 बजे के बीच अचानक ढाबे के पीछे से कुछ अज्ञात लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। ढाबे पर काम करने वाला कर्मचारी विकास पिता भागीरथ आंजना निवासी गंगाजलखेड़ा महिदपुर के साथ 2 अन्य घायल हो गये। पथराव करने वाले पीछे से ही भाग निकले थे। ढाबा संचालक संतोष सोनिया ने घटना की शिकायत नीलगंगा थाने पहुंचकर दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ पथराव करने का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

68 साल के बुजुर्ग ने जहर खाकर किया सुसाइड

उज्जैन। रविवार को झारड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम मुंडला सौंधिया में रहने वाले 68 साल के शंकरलाल पिता फतेहसिंह ने जहर खा लिया था। हालत बिगड़ने पर परिजन उज्जैन लेकर आये। निजी अस्पताल में कुछ घंटे चलते उपचार के बाद शाम को बुजुर्ग की मौत हो गई। मामला आत्महत्या से जुडा होने पर माधवनगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर बॉडी पोस्टमार्टम कक्ष पहुंचाई। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम कराया जायेगा। मामले की जांच झारड़ा पुलिस द्वारा की जायेगी।

भाई ने भाई पर किया धारदार हथियार से हमला

उज्जैन। एकता नगर में रहने वाले भूरा पिता मायाराम प्रजापत 40 साल पर भाई प्रकाश ने अपनी पत्नी संध्या और पुत्र नीरज के साथ मिलकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। घायल भूरा को उसका परिवार अस्पताल लेकर पहुंचा। सूचना मिलने पर नीलगंगा थाना प्रधान आरक्षक अनीस खान अस्पताल पहुंचे और बयान दर्ज किये। घायल भूरा ने बताया कि मिट्टी के दिए बनाते है। दिए तोड़ने की बात पर विवाद करते हुये भाई ने परिवार के साथ हमला किया। पुलिस ने मामले में हमला करने वाले भाई के साथ उसकी पत्नी और पुत्र के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

कार-आटो की हुई टक्कर घायल हो गई युवती



उज्जैन। मक्सीरोड गोपालपुरा ब्रिज पर देर शाम तेजगति से दौड़ती कार ने आगे चल रही आटो को पीछे से टक्कर मार दी। आटो चालक का संतुलन बिगड़ गई और वह आगे स्कूटी पर सवार युवती से टकरा गया। युवती गिरने पर घायल हो गई। कार चालक मौके से भाग निकला। घायल युवती पायल पिता राजेश पात्रेकर निवासी पांड्याखेड़ी की शिकायत पर माधवनगर थाना पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुत्रों ने मारपीट कर पिता को घर से निकाला

उज्जैन। घट्टिया थाना क्षेत्र के ग्राम रणाहेड़ा में रहने वाले 70 साल के उमराव पिता भंवरसिंह के साथ उसके पुत्रों द्वारा मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी देकर घर से निकाल दिया गया। घर से बेघर हुये उमराव ने मामले की शिकायत पुलिस को दर्ज कराई। पुलिस ने 2 पुत्रों के खिलाफ माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम के साथ मारपीट का प्रकरण दर्ज किया है।

रात में मार्किंग से नाराज व्यापारी, जनप्रतिनिधियों के आश्वासन पर भी सवाल

उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण के विरोध में आज बाजार बंद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

उज्जैन में महाकाल चौराहा से गुदरी होते हुए गोपाल मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण को लेकर व्यापारियों में आक्रोश बढ़ गया है।रविवार रात करीब 1 बजे प्रभावित भवनों पर चौड़ीकरण के लिए मार्किंग किए जाने के विरोध में व्यापारी रहवासी महासंघ ने सोमवार,12 अक्टूबर से पूरे क्षेत्र का बाजार अनिश्चितकालीन बंद रखने का ऐलान किया है।

व्यापारियों का कहना है कि प्रशासन ने बिना पूर्व सूचना और चर्चा के रात में दोनों तरफ 4-4 मीटर के निशान लगाए हैं।उनका आरोप है कि चौड़ीकरण की मौजूदा योजना से बड़ी संख्या में व्यापारिक प्रतिष्ठान प्रभावित होंगे और सैकड़ों परिवारों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो सकता है।

महासंघ के अनुसार, सड़क चौड़ीकरण के लिए टेंडर जारी होने के बाद व्यापारियों ने विरोध जताया था।इसके बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने व्यापारियों से मुलाकात कर बातचीत के जरिए समाधान निकालने का आश्वासन दिया था। व्यापारियों का आरोप है कि सभी पक्षों से चर्चा किए जाने की बात के बावजूद देर रात मार्किंग की कार्रवाई कर दी गई।इससे जनप्रतिनिधियों के आश्वासन पर भी सवाल खड़े हुए हैं।व्यापारी रहवासी महासंघ का दावा है कि प्रस्तावित



चौड़ीकरण से क्षेत्र के करीब 70 प्रतिशत व्यापारियों के प्रतिष्ठान पूरी तरह समाप्त हो सकते हैं। इसी आशंका के चलते रविवार को महासंघ की बैठक हुई, जिसमें सोमवार से अनिश्चितकालीन बाजार बंद रखने और चरणबद्ध तरीके से शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया।

व्यापारियों की मांग-पहले यातायात व्यवस्थित करें

पाटनी बाजार व्यापारी एसोसिएशन से जुड़े प्रशांत सोनी ने कहा कि रात करीब 1 बजे बिना सूचना मार्किंग की गई।उनके अनुसार, क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण के बजाय यातायात को व्यवस्थित करने की जरूरत है। सड़क पर ई-रिक्शा खड़े रहने जैसी समस्याओं का समाधान किया जाए तो आवागमन बेहतर हो सकता है।सोनी ने बताया कि पाटनी बाजार व्यापारी एसोसिएशन के साथ बर्तन बाजार, सोना-चांदी बाजार और गुदरी क्षेत्र के कई व्यापारी भी बंद के समर्थन में हैं। व्यापारियों ने प्रशासन से चौड़ीकरण की योजना पर पुनर्विचार करने,प्रभावित प्रतिष्ठानों को बचाने के विकल्प तलाशने और कोई भी निर्णय लेने से पहले व्यापारियों को विश्वास में लेकर स्पष्ट चर्चा करने की मांग की है।

आज से यात्री बसों को संचालन नानाखेड़ा से...

देवासगेट बस स्टेंड पर तैनात रहेगी आरटीओ स्क्वाड

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

आज से देवासगेट बस पूरी तरह से बंद कर दिया जायेगा। सुबह से आरटीओ की स्क्वाड देवासगेट पर तैनात हो जायेगी, ताकि कोई बस यहां तक नहीं पहुंच सके। अगर बस पहुंची तो परमिट निरस्त करने के साथ आरसी कैंसिल करने की कार्रवाई की जायेगी।

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को लेकर आगररोड से इंदौरगेट तक एलिवेटेड ब्रिज का निर्माण कार्य किया जा रहा है। क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को बनाये रखने के लिये देवासगेट बस स्टेंड को बंद करने का निर्णय लिया था। आज से बसों का संचालन नानाखेड़ा से होगा। क्षेत्रीय परिवहन विभाग (आरटीओ) ने इसके आदेश पूर्व में जारी कर दिये थे। बस संचालकों को हिदासत दी गई थी कि 12 अक्टूबर से कोई भी बस देवासगेट पर नहीं आयेगी। नियमों का उल्लघंन करने पर न्यायालयीन कार्रवाई के साथ परमिट और आरसी निरस्त करने की कार्रवाई की जायेगी। बसों को देवासगेट आने से रोकने के लिये आज सुबह से आरटीओ की स्क्वाड तैनात हो जायेगी। थाना क्षेत्र पुलिस के साथ यातायात विभाग



की टीम भी मौजूद रहेगी। देवासगेट से प्रतिदिन 170 के लगभग बसों का संचालन होता था। पूर्व में इंदौर और तराना-मक्सी की बसों को नानाखेड़ा स्थानांतरित कर दिया गया था बावजूद इसके बसों को संचालन देवासगेट से हो रहा था। इस बार देवासगेट बस स्टेंड को पूरी तरह से नानाखेड़ा शिफ्ट करने की योजना तैयार कर ली गई है। नानाखेड़ा पर यात्रियों की सुविधा को लेकर सभी इंतजाम भी किये गये है।

शाम से कम होने लगी थी बसों की संख्या- क्षेत्रीय परिवहन विभाग के सख्त निदेर्शों के बाद रविवार शाम से देवासगेट पर बसों की संख्या कम होने लगी थी। वीडियो कोच बसों की संख्या भी काफी कम हो गई थी। दोपहर में आखिरी फेरे पर रवाना हुई बसें रात में देवासगेट ना आकर नानाखेड़ा की ओर जा रही थी। बसों की संख्या कम होती देख क्षेत्र के व्यापारियों में भी संशय बढ़ने लगा था। विदित हो कि 12 साल पहले भी सिंहस्थ के दौरान बस स्टेंड को स्थानांतरित किया गया था। उसके बाद लगातार देवासगेट बस स्टेंड को नानाखेड़ा भेजने के प्रयास होते रहे। लेकिन इस बार विकास कार्यो को देखते हुये पूर्ण रूप से देवासगेट बस स्टेंड को बंद करने का निर्णय लिया गया है।

व्यापारी बोले खत्म हो जायेगा व्यवसाय

देवासगेट बस स्टेंड में नगर निगम द्वारा दुकानों का निर्माण किया गया था। कई व्यापारियों ने व्यवसाय शुरू किया था। वहीं बस स्टेंड के बाहरी क्षेत्र देवासगेट थाने के आसपास भी सौ से अधिक दुकाने, भोजनालय, पान की गुमटी, फलो के ठेले लगते थे। जिनका बस स्टेंड की वजह से अच्छा व्यापार-व्यवसाय जम चुका था। लेकिन बस स्टेंड के जाने से व्यापारियों का कहना था कि उनका व्यवसाय अब खत्म हो जायेगा। उन्हे नानाखेड़ा पर दुकान लगाने की जगह भी नहीं मिलेगी।

क्षिप्रा नदी से मिली युवक की लाश, नहाने के दौरान डूबा था

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

क्षिप्रा नदी से रविवार सुबह एक युवक की लाश मिलना सामने आया है। युवक नहाने के दौरान डूबा था। पुलिस द्वारा उसकी पहचान के प्रयास शुरू किये गये। युवक ग्राम करेली राजगढ़ का रहने वाला सामने आया है।

महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि क्षिप्रा नदी रामघाट से नृसिंहघाट की ओर जाने वाले मार्ग के बीच से पानी में डूबी हुई एक लाश की सूचना मिली थी। पुलिस ने लाश का बाहर निकाला। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि संभवतः वह नहाने के दौरान डूबा है। पुलिस ने उसकी शिनाख्त के प्रयास शुरू किये। इस दौरान सामने आया कि मृतक युवक राजगढ़ के करेली गांव का रहने वाला अजय शर्मा है। पुलिस के अनुसार परिजनों को सूचना दी गई है। उनके आने पर सोमवार को पोस्टमार्टम कराया जायेगा। परिजनों से पूछताछ के बाद ही मृतक युवक के उज्जैन आने के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ पायेगी।

मालीपुरा मार्ग पर मिले युवक की मौत

देवासगेट थाना पुलिस ने 3 दिन पहले मालीपुरा मार्ग पशु चिकित्साल के पास से बीमारी की हालत में एक युवक को उपचार के लिये चरक अस्पताल में भर्ती कराया था। युवक बोल पाने की स्थिति में नहीं था उसके पास से कोई दस्तावेज भी नहीं मिला, जिसके माध्यम से उसके परिजनों का पता लगाया जा सके। रविवार दोपहर को उक्त युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखा है। परिजनों के नहीं मिलने पर अंतिम संस्कार (दफनाया) कराया जायेगा।

कैमरों से पकड़ाया बाइक चोरी करने वाला बदमाश

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

हनुमान मंदिर के पास से बाइक चोरी करने वाले का सुराग तलाशने के लिये पुलिस सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, बदमाश की पहचान हो गई। उसे हिरासत में लिया गया और न्यायालय से रिमांड प्राप्त कर पूछताछ शुरू की गई। बदमाश ने बुलेट सहित 5 बाइक चोरी करना कबूल कर लिया।

घट्टिया थाना प्रभारी करण खोवाल ने बताया कि 9 अक्टूबर को लवखेड़ी हनुमान मंदिर के पास से गांधीनगर में रहने वाले चंदन नामक युवक की बाइक चोरी हो गई थी। शिकायत मिलने पर बाइक चोरी करने वाले बदमाश का पता लगाने के लिये सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गये। जिसके आधार पर बदमाश की पहचान विशाल पंवार निवासी ग्राम खेरखेड़ी के रूप में हो गई। उसे हिरासत में लिया गया और बाइक चोरी का मामला दर्ज अन्य वाहन संबंधित पूछताछ के लिये एक दिन की रिमांड पर लिया गया। इस दौरान पूछताछ में उसने बाइक चोरी के साथ एक बुलेट और तीन अन्य बाइक चोरी करना भी कबूल कर लिया। उसकी निशानेदही पर बुलेट सहित पांच बाइक बरामद की गई। रविवार को रिमांड खत्म होने पर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेजा गया है। थाना प्रभारी के अनुसार 2 दिन में बाइक चोरी करने वाले बदमाश का पता लगाने और पांच चोरी के वाहन बरामद करने में एएसआई गौरीशंकर काकोड़िया, प्रधान आरक्षक राजेंद्र राठौड़, वीरपाल सिंह, आरक्षक कमल मालवीय और सैनिक आत्माराम मालवीय की भूमिका रही।

आज दोपहर 2 बजे से मार्गो पर बदलेगी यातायात व्यवस्था

महाकाल मंदिर से शाम 4 बजे निकलेगी उमा माता की सवारी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

वर्ष में एक बार महाकाल मंदिर से निकलने वाली उमा माता की सवारी आज शाम 4 बजे निकाली जायेगी। इससे पहले दोपहर 2 बजे से सवारी मार्ग पर यातायात व्यवस्था को परिवर्तित कर दिया जायेगा।

यातायात डीएसपी दिलीपसिंह परिहार ने बताया कि शाम 4 बजे महाकाल मंदिर से निकली वाली उमा माता और भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी महाकाल मंदिर से प्रारंभ होकर महाकाल घाटी चौराहा, तोपखाना, दौलतगंज चौराहा, नई सड़क, कंठाल, सराफा, छत्रीचौक, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार, गुदरी, बक्षी बाजार, कार्तिक चौक, मोढ़ की धर्मशाला, रामानुजकोट होते हुए क्षिप्रा नदी के रामघाट पहुंचेगी। वापसी में सवारी कहारवाड़ी, बक्षी बाजार और महाकालरोड से मंदिर आयेगी।

इन मार्गो पर वाहनों का रहेगा प्रतिबंध



दोपहर 2 बजे से चक्रतीर्थ से दानीगेट होकर रामानुजकोट, हरसिद्धि पाल की ओर जाने वाले वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। दौलतगंज चौराहा से तोपखाना, महाकाल घाटी और गुदरी चौराहे की ओर आने वाले वाहनों को भी प्रतिबंधित किया गया है। का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। कमरी मार्ग से गोपाल मंदिर, पटनी बाजार और गुदरी चौराहा, पानदरीबा से कार्तिक चौक और दानीगेटसे कार्तिक चौक की ओर आने वाले मार्गो पर वाहनों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जायेगी। यातायात पुलिस ने अपील करते हुये कहा है कि वाहन चालक नियमों का पालन करें और असुविधा से बचने के लिये वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

सवारी से पहले दोपहर 2 बजे से इंदौरगेट से नई सड़क जाने वाले वाहन देवासगेट, चामुंडा माता मंदिर और कोयला फाटक चौराहे से बियाबानी होकर निकास चौराहे की ओर जा सकेंगे। निकास चौराहे से इंदौरगेट जाने वाले वाहन तेलीवाड़ा और कंठाल के बजाय बियाबानी, कोयला फाटक चौराहा तथा चामुंडा माता मंदिर चौराहे से होकर इंदौरगेट पहुंच सकेंगे।

किराये के मकान मृत मिला भिंड का युवक



ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

एक माह पहले साडू के साथ भिंड से आया युवक रविवार सुबह किराये के मकान में मृत पड़ा मिला। अस्पताल लाने पर डॉक्टरों ने हार्ट अटैक की आशंका जताई। पुलिस मामला संदिग्ध मानकर पोस्टमार्टम कराया है।

चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया कि गणेशनगर में किराये का मकान लेकर रहने वाले भिंड के युवक भीमसिंह पिता तुलसीराम बघेल 40 साल की मौत होने की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची थी। भीमसिंह के साथ उसका साडू जयसिंह भी रहता था। उसने बताया कि रात में सोया था, सुबह नहीं उठा तो उसने जगाने का प्रयास किया। पुलिस शव अस्पताल लेकर पहुंची, डॉक्टरों ने हार्ट अटैक की संभावना जताई। मामले में मर्ग कायम किया गया और पोस्टमार्टम कराया गया। साडू जयसिंह ने बताया कि एक माह पहले उज्जैन आये थे और किराये का मकान लेकर पेंटरी का काम कर रहे थे। परिवार भिंड में रहता है। भीमसिंह चार बच्चों का पिता था, रात में खाना खाने के बाद सो गया था, उस वक्त तक सबकुछ ठीक था। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम के बाद शव रिश्तेदारों को सौंपा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मामला स्पष्ट हो जायेगा।

तनावमुक्त पुलिस बेहतर सुरक्षा का संकल्प

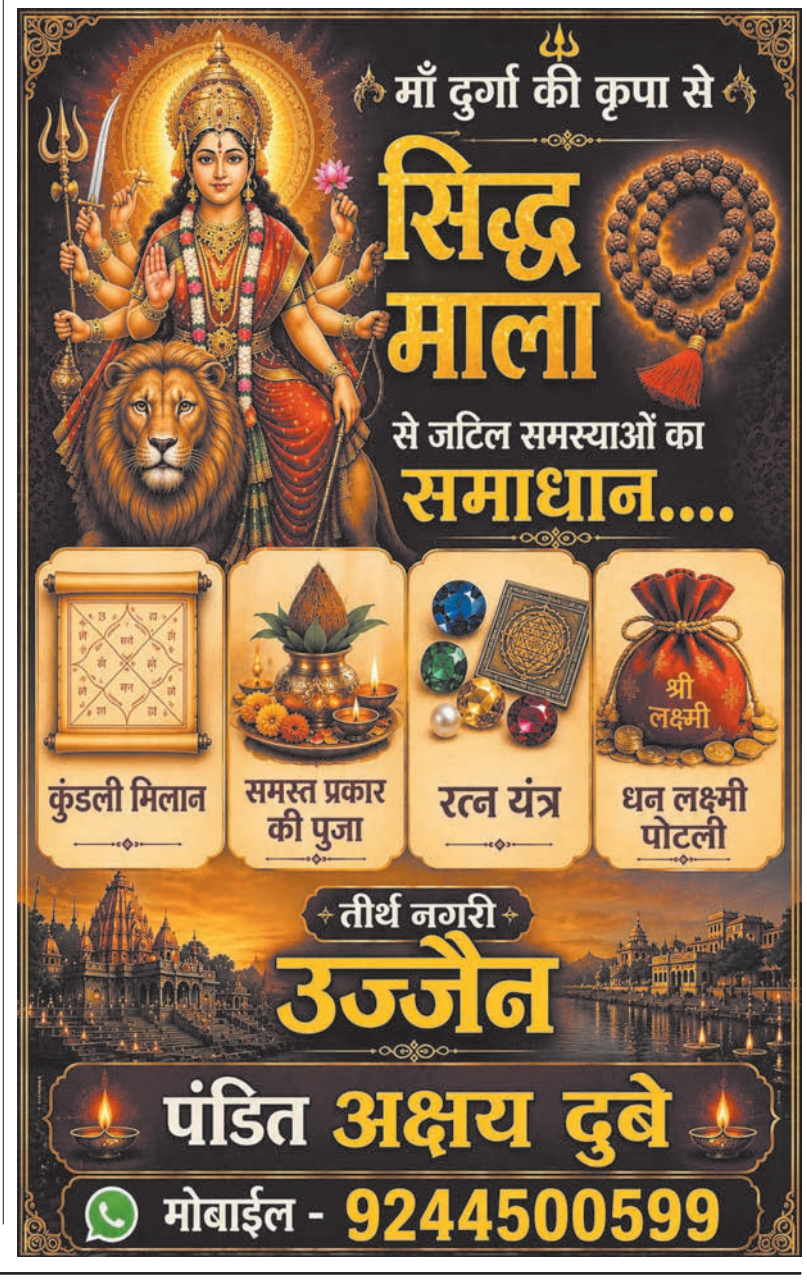
दो सौ पुलिसकर्मियों के साथ नवआरक्षकों ने किया योग



ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

कानून-व्यवस्था की चुनौतीपूर्ण ड्यूटी और मानसिक दबाव के बीच पुलिसकर्मियों को तनावमुक्त रखने के लिए पुलिस लाइन स्थित सामुदायिक भवन में रविवार को ईशा फाउंडेशन के सहयोग से योग फॉर मेंटल हेल्थ कार्यक्रम आयोजित किया गया। 200 से अधिक पुलिसकर्मियों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नवआरक्षकों ने योग-ध्यान का अभ्यास किया।

पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम के दौरानं ईशा फाउंडेशन की प्रमाणित हठ योग शिक्षिका और पूर्वा मंजरेकर ने प्रतिभागियों को योग और ध्यान का अभ्यास कराया। इस दौरान स्वयंसेवक हितेश चौहान, अभिषेक सुमन भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रक्षित निरीक्षक रंजीत सिंह और सूबेदार स्वाति कामले ने किया। पुलिस अधीक्षक शर्मा के अनुसार पुलिसकर्मियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित निर्णय लेने और लंबे समय तक ड्यूटी करने जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में मानसिक शांति, एकाग्रता और धैर्य बनाए रखना महत्वपूर्ण है। योग-ध्यान के अभ्यास के माध्यम से पुलिसकर्मियों को तनाव प्रबंधन और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। आगामी सिंहस्थ-2028 में लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और सुगम आवागमन सुनिश्चित करना पुलिस के लिए बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसे ध्यान में रखते हुए पुलिस बल की शारीरिक फिटनेस के साथ मानसिक स्वास्थ्य और कार्यक्षमता बढ़ाने पर भी जोर दिया जा रहा है।



स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com